केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

Kendriya Vidyalaya Sangathan Regional Office Raipur

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

हिन्दी

Class - X

Question Bank Term- II 2021-22

केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

Kendriya Vidyalaya Sangathan Regional Office Raipur

उपायुक्त का संदेश

रायपुर क्षेत्र के लिए दसवीं और बारहवीं कक्षा के विभिन्न विषयों के लिए अध्ययन सामग्री प्रकाशित करना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। सीबीएसई द्वारा जुलाई 2021 के महीने में जारी परिपत्र संख्या 51 और 53 के माध्यम से पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया में हालिया परिवर्तनों से परिचित और परिचित होने से छात्रों को परीक्षा के लिए खुद को बेहतर तैयार करने में मदद मिलेगी। अवधारणाओं को समझने, प्रश्नों को समझने के लिए इकाइयों और अध्यायों का अच्छा और गहरा ज्ञान आवश्यक है। अध्ययन सामग्री परीक्षा से ठीक पहले त्वरित संशोधन के लिए उपयुक्त और प्रभावी नोट्स बनाने में मदद करती है।

COVID-19 महामारी की अभूतपूर्व परिस्थितियों के कारण छात्रों और शिक्षकों को कक्षाओं में आमने-सामने बातचीत करने का बहुत सीमित अवसर मिल रहा है। ऐसी स्थिति में पर्यवेक्षित और विशेष रूप से तैयार किए गए मूल्य बिंदु छात्रों को उनकी समझ और विश्लेषणात्मक कौशल को एक साथ विकसित करने में मदद करेंगे। प्रश्न बैंक और अभ्यास पत्रों को पढ़ने के बाद छात्रों को अत्यधिक लाभ होगा। अध्ययन सामग्री एक विशेष बंधन का निर्माण करेगी और शिक्षकों और छात्रों के बीच जोड़ने वाली कड़ी के रूप में कार्य करेगी क्योंकि दोनों एक साथ निर्देशित और अनुभवात्मक अधिगम कर सकते हैं। यह छात्रों को रचनात्मक और महत्वपूर्ण सोच कौशल की खोज और विश्लेषण करने की आदत विकसित करने में मदद करेगा। केस स्टडी, तर्क और पता लगाने से संबंधित प्रश्न पैटर्न में पेश की गई नई अवधारणाएं छात्रों को विभिन्न स्थितिगत समस्याओं पर स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाएगी। विभिन्न अध्ययन सामग्री को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि छात्रों को उनकी आत्म-सीखने की गति में मदद मिल सके। यह महान शैक्षणिक सिद्धांत पर जोर देता है कि 'सब कुछ सीखा जा सकता है लेकिन कुछ भी नहीं सिखाया जा सकता है'। स्व-प्रेरित सीखने के साथ-साथ पर्यवेक्षित कक्षाएं उन्हें नई शैक्षणिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने में मदद करेंगी।

मैं उन सभी प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों का तहे दिल से आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने सभी विषयों के लिए अध्ययन सामग्री तैयार करने की परियोजना को पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया है। इस परियोजना को सफल बनाने में उनका अपार योगदान प्रशंसनीय है।

हैप्पी लर्निंग और शुभकामनाएँ!

(विनोद कुमार)
उपायुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन

क्षेत्रीय कार्यालय , रायपुर

प्रधान संरक्षक

श्री विनोद कुमार

उपायुक्त

के.वि.सं.रायपुर संभाग

संरक्षक

श्रीमती बिरजा मिश्र

सहायक आयुक्त

के.वि.सं.रायपुर संभाग

श्री अशोक कुमार मिश्र

सहायक आयुक्त

के.वि.सं.रायपुर संभाग

समन्वयकर्ता

श्री धीरेन्द्र कुमार झा

प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय बिलासपुर

अध्ययन सामग्री निर्माण समिति

श्री अजय कुमार साहू

स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी

केंद्रीय विद्यालय रायपुर क्र.1 (प्रथम पाली)

श्रीमती माया गुप्ता

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (हिन्दी)

केंद्रीय विद्यालय रायपुर क्र.4 कोरबा

श्रीमती जोसफिन लाकरा

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी)

केंद्रीय विद्यालय बिलासपुर

श्री योगेश्वर साहू

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी)

केंद्रीय विद्यालय राजनंदगांव

डॉ किरण राठौर

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी)

केंद्रीय विद्यालय बिलासपुर

संकलनकर्ता

श्रीमती अर्चना मर्सकोले
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)
केंद्रीय विद्यालय बिलासपुर

श्री सुनील पाण्डेय
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)
केंद्रीय विद्यालय बिलासपुर

अनुक्रमणिका

क्रमसंख्या	विषयवस्तु/भाग
1	प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक योजना
2	प्रतिदर्श प्रश्न पत्र
3	गद्य खंड
4	काव्य खंड
5	कृतिका
6	लेखन
7	आदर्श प्रश्न पत्र एवं उत्तर माला

परीक्षा भार विभाजनसत्र 2				
		विषयवस्तु	उप भार	कुलभार
1	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग - 2 व पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग - 2			20
	अ	गद्य खंड		
		क्षितिज से निर्धारित पाठों के आधार पर विषय-वस्तु का ज्ञान बोध, अभिव्यक्ति आदि पर चार प्रश्न पूछे जाएंगे। (2x4)	8	
	ब	काव्य खंड		
		क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। (2x3)	6	
	स	पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग - 2		
		कृतिका के निर्धारित पाठों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएँगे । (3x2)	6	
2	लेखन			20
	अ	विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुडे हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग150 शब्दों में अनुच्छेद लेखन। (5x1)	5	
	ब	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग120 शब्दों में पत्र। (5x1)	5	
	स	विषयसेसंबंधितदोविज्ञापनों(प्रत्येकलगभग 50 शब्दोंवाला)कालेखन। (2.5 अंकx2 प्रश्न) (विकल्पसहित)	5	
	द	संदेशलेखन (शुभकामना, पर्व-त्योहारोंएवंविशेषअवसरोंपरदिएजानेवालेदोसंदेश) (प्रत्येकलगभग40 शब्दोंमें) (2.5 अंकx2 प्रश्न) (विकल्पसहित)	5	
3		**आंतरिकमूल्याङ्कन**		**10**
	अ	सामयिकआकलन	**3**	
	ब	बहुविधआकलन	**2**	
	स	पोर्टफोलियो	**2**	
	द	श्रवणएवंवाचन	**3**	
		कुल		**50**

सत्र-2 2021-22 मेंनिम्नलिखितपाठसम्मिलितकिएगएहैं –

पाठ्यपुस्तकक्षितिजभाग -2

काव्य – खंड

1. सूर्यकांतत्रिपाठी 'निराला' - 'उत्साह', 'अटनहींरहीहै'
2. ऋतुराज - कन्यादान

गद्य - खंड

3. यशपाल - लखनवीअंदाज़

प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक योजना

4. सर्वेश्वरदयालसक्सेना - मानवीयकरुणाकीदिव्यचमक

अनुपूरकपाठ्यपुस्तककृतिकाभाग -2

1. शिवपूजनसहाय - माताकाअँचल

2. कमलेश्वर - जॉर्जपंचमकीनाक

3. मधुकांकरिया - साना - सानाहाथजोड़ि

निर्धारित पुस्तकें :

1. **क्षितिज, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
2. **कृतिका, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशितनवीनतम संस्करण

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र, 2021-22

द्वितीय सत्र

विषय- हिंदी 'ए' (कोड-002)

निर्धारित समय- 2 घंटे **पूर्णांक-40**

सामान्य निर्देश:

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'।

(2) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं, यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार ही लिखिए।

(3) लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 3 प्रश्न हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उपप्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(5) खंड 'ख' में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए चारों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड 'क' (पाठ्य पुस्तक व पूरक पाठ्य पुस्तक) **20 अंक**

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए- 2×4=8

(क) 'फ़ादर कामिल बुल्के संकल्प से संन्यासी थे, मन से नहीं।' लेखक के इस कथन के आधार पर सिद्ध कीजिए कि फ़ादर का जीवन परंपरागत संन्यासियों से किस प्रकार अलग था?

(ख) फ़ादर की उपस्थिति लेखक को देवदार की छाया के समान क्यों लगती थी? पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ग) क्या सनक सकारात्मक भी हो सकती है? सकारात्मक सनक की जीवन में क्या भूमिका हो सकती है? सटीक उदाहरणों द्वारा अपने विचार प्रकट कीजिए।

(घ) 'लखनवी अंदाज़' शीर्षक की सार्थकता तर्क सहित सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए- 2×3=6

(क) 'उत्साह' कविता के शीर्षक की सार्थकता तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) इस सत्र में पढ़ी गई किस कविता में फागुन के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन किया गया है? उसे अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

(ग) इस सत्र में पढ़ी गई किस कविता में कोरी भावुकता न होकर जीवन में संचित किए अनुभवों की अनिवार्य सीख है? कविता के नाम के साथ कथन की पुष्टि के लिए उपयुक्त तर्क भी प्रस्तुत कीजिए।

(घ) इस सत्र में पढ़ी गई किस कविता की अंतिम पंक्तियाँ आपको प्रभावित करती हैं और क्यों? तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- 3×2=6

(क) 'माता का अंचल' पाठ में वर्णित बचपन और आज के बचपन में क्या अंतर है? क्या इस अंतर का प्रभाव दोनों बचपनों के जीवन मूल्यों पर पड़ा है? तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ में निहित व्यंग्य को स्पष्ट करते हुए बताइए कि मानसिक पराधीनता से मुक्ति पाना क्यों आवश्यक है?

(ग) नदी, फूलों, वादियों और झरनों के स्वर्गिक सौंदर्य के बीच किन दृश्यों ने लेखिका के हृदय को झकझोर दिया? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

खंड 'ख' (रचनात्मक लेखन खंड) (20 अंक)

4. निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए- (5)

(क) कोरोना काल और ऑनलाइन पढ़ाई

संकेत-बिंदु- भूमिका, लॉकडाउन की घोषणा, ऑनलाइन कक्षाओं का आरंभ, इसके लाभ, ऑफ़लाइन कक्षाओं से तुलना, तकनीकी से जुड़ी बाधाएँ, निष्कर्ष

(ख) मानव और प्राकृतिक आपदाएँ

संकेत-बिंदु- भूमिका, प्रकृति और मानव का नाता, मानव द्वारा बिना सोचे-विचारे प्रकृति का दोहन, कारण एवं प्रभाव, प्रकृति के रौद्र रूप के लिए दोषी कौन, निष्कर्ष

(ग) सड़क सुरक्षा : जीवन रक्षा

संकेत-बिंदु- भूमिका, सड़क सुरक्षा से जुड़े कुछ प्रमुख नियम, सड़क सुरक्षा के नियमों की अनदेखी से होने वाली हानियाँ, इन्हें अपनाने के लाभ, निष्कर्ष

5. आपकी चचेरी दीदी कॉलेज में दाख़िला लेना चाहती हैं, किंतु आपके चाचा जी आगे की पढ़ाई न करवाकर उनकी शादी करवाना चाहते हैं। इस बारे में अपने चाचा जी को समझाते हुए लगभग 120 शब्दों में एक पत्र लिखिए। (5)

अथवा

आपके क्षेत्र में सरकारी राशन की दुकान का संचालक ग़रीबों के लिए आए अनाज की कालाबाज़ारी करता है और कुछ कहने पर उन्हें धमकाता है। उसकी शिकायत करने हेतु लगभग 120 शब्दों में ज़िलाधिकारी को पत्र लिखिए।

6. (क) आपको अपना फ़्लैट किराए पर देना है। इसके लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। (2.5)

अथवा

आपकी दीदी ने संगीत कला केंद्र खोला है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

(ख) सामाजिक संस्था 'सवेरा' के नशा-मुक्ति जागरूकता अभियान के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। (2.5)

अथवा

बहुत कम क़ीमत में स्मार्ट फ़ोन बनाने वाली कंपनी के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

7. (क) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एनटीएसई) में पहला स्थान प्राप्त करने पर अपने मित्र को लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए। (2.5)

अथवा

साहसिक कार्य के लिए बाल वीरता पुरस्कार से सम्मानित होने वाले अपने मित्र को लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।

(ख) केरल के निवासी अपने मित्र को ओणम के अवसर पर लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए। (2.5)

अथवा

भैया-भाभी की पहली वैवाहिक वर्षगाँठ पर लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र, 2021-22

द्वितीय सत्र

विषय- हिंदी 'अ' (कोड-002)

कक्षा- 10, अंक योजना

निर्धारित समय- 2 घंटे **पूर्णांक – 40**

सामान्य निर्देश :

(1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। इस प्रश्नपत्र में वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अत: अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

(2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे, तो उसे अंक दिए जाएँ।

(3) समान त्रुटियों के लिए स्थान-स्थान पर अंक न काटे जाएँ।

(4) गुणवत्तापूर्ण, सटीक उत्तर पर शत प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए।

(5) मूल्यांकन में 0 से 100 प्रतिशत अंकों का पैमाना स्वीकार्य है।

(6) मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

	खंड-क (वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित संकेत)	
प्र.क्रम. सं.	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
प्रश्न 1.	**प्रश्नों के उत्तरों की शब्द-सीमा 25-30 शब्द** (शब्द-सीमा का ध्यान रखते हुए उत्तरों में किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	**2×4=8**
(क)	• संन्यासी के परंपरागत स्वरूप में मोह त्यागकर सामान्यतः समाज से पलायन कर जाने की प्रवृत्ति • फ़ादर कामिल बुल्के द्वारा परंपरागत संन्यासी प्रवृत्ति से अलग नई परंपरा की स्थापना • कॉलेज में अध्ययन एवं अध्यापन...प्रियजनों के प्रति मोह, प्रेम व अपनत्व • प्रियजनों के घर समय-समय पर आना-जाना, संकट के समय सहानुभूति रख उन्हें धैर्य बँधाना आदि	2 अंक
(ख)	• मानवीय गुणों से परिपूर्ण व्यक्तित्व व सबके लिए कल्याण की कामना • परम हितैषी के समान लोगों को आशीर्वचनों से सराबोर कर देना • भरपूर वात्सल्य से भरी नीली आँखों में तैरता अपनापन • उपर्युक्त कारणों से फ़ादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी लगना	2 अंक

(ग)	• सनक अर्थात् धुन का पक्का होना, लगन, मेहनत तथा ईमानदारी से काम करने की सनक सकारात्मक सनक • वैज्ञानिकों, महापुरुषों तथा समाज सेवियों के उदाहरण • आज़ादी के मतवाले क्रांतिकारी, सामाजिक बुराइयों को समूल नष्ट करने की ठानने वाले समाज सुधारक • पहाड़ काटकर रास्ता बनाने वाले दशरथ माँझी जैसे सकारात्मक सनक वाले व्यक्तियों के उदाहरण...	2 अंक
(घ)	• विषयवस्तु से शीर्षक के पूरी तरह मेल खाने में ही शीर्षक की सार्थकता • 'लखनवी अंदाज़' शीर्षक की कथानक से पूर्णत: संबद्धता • झूठी नवाबी शान, दिखावा, सनक, नज़ाकत आदि का वर्णन • लेखक को दिखाने के लिए खीरे की फाँके सूँघकर खिड़की से बाहर फेंकने वाली घटना का उल्लेख आदि	2 अंक
प्रश्न 2.	**दिए गए चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों की शब्द-सीमा 25-30 शब्द** (शब्द-सीमा का ध्यान रखते हुए उत्तरों में किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	**2×3=6**
(क)	• 'उत्साह' कविता एक आह्वान गीत • कविता समाज में क्रांति और उत्साह की भावना का संचार करने के उद्देश्यपरक सृजन से प्रेरित • बादल की गर्जना व क्रांति के माध्यम से लोगों के जीवन में उत्साह का संचार, प्रकृति में नव-जीवन का समावेश, क्रांति-चेतना का शंखनाद आदि शीर्षक की सार्थकता के आधार	2 अंक
(ख)	• निराला कृत 'अट नहीं रही है' कविता में चित्रित फागुन के अप्रतिम सौंदर्य की अपने शब्दों में कलात्मक अभिव्यक्ति • फागुन की सर्वव्यापक आभा एवं उसके अद्भुत सौंदर्य की व्यापकता का उल्लेख • प्रकृति में सौंदर्य व उल्लास का समावेश, कण-कण का फागुन के रंग में रँग जाना आदि	2 अंक

(ग)	• ऋतुराज कृत 'कन्यादान' कविता...विदाई के समय माँ की केवल भावुकता का प्रदर्शन नहीं • जीवन में संचित अनुभव पर आधारित उपदेश- सौंदर्य व वस्त्राभूषणों पर न रीझना, मानसिक रूप से दृढ़ बनना आदि • स्वयं को किसी के सामने लड़की जैसा न दिखाने आदि की व्यावहारिक सीख	2 अंक
(घ)	**कन्यादान**- 'आग रोटियाँ.............जीवन के।।' **उत्साह**- 'विकल-विकल........................गरजो।।' **अट नहीं रही है**- 'कहीं पड़ी है............पट नहीं रही है।।' इनमें से किसी एक कविता की उल्लिखित अंतिम काव्य-पंक्तियों के प्रभावित करने व प्रिय होने के कारणों का तर्क सहित उल्लेख	2 अंक
प्रश्न 3.	**दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों की शब्द-सीमा लगभग 60 शब्द** (शब्द-सीमा का ध्यान रखते हुए उत्तरों में दो-तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	**3×2=6**
(क)	• खेल-खिलौनों व खेलने के स्थान में अंतर, पहले खेत-खलिहानों व खुले में खेलने की जगह बचपन का अब घर या अपने कमरे तक सीमित हो जाना • पहले बचपन को संयुक्त परिवार का प्रेम व समय मिलना, अब एकल परिवार में कामकाजी माँ-बाप के जाने के बाद एकाकीपन • पहले बड़ों के प्रेम के साथ-साथ संस्कार मिलना, अब माता-पिता की व्यस्तता से संस्कारों में गिरावट आना	3 अंक
(ख)	• सत्ता से जुड़े लोगों का मानसिक पराधीनता का शिकार होना • सरकारी तंत्र में नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार व्याप्त होना • देश के सच्चे विकास व आम जनता के सच्चे सम्मान व स्वाभिमान की रक्षा के लिए मानसिक पराधीनता से मुक्ति पाना आवश्यक	3 अंक

(ग)	• आजीविका के लिए स्थानीय महिलाओं का अपनी पीठ पर बच्चे लादकर मार्ग बनाने के लिए पत्थर तोड़ने की विवशता • उस प्राकृतिक सौंदर्य के बीच भूख, दैन्य और जीवित रहने के लिए लड़ी जाने वाली जीवन की जंग • संवेदनाओं को झकझोर देने वाली अनुभूति	3 अंक
	खंड-ख (रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्नों के मूल्यांकन बिंदु)	
प्रश्न 4.	दिए गए तीन अनुच्छेदों में से किसी <u>एक</u> विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लेखन- भूमिका- 1 अंक विषयवस्तु- 3 अंक भाषा- 1 अंक	**5×1=5**
प्रश्न 5.	दिए गए दो पत्रों में से किसी <u>एक</u> विषय पर 120 शब्दों में पत्र लेखन- आरंभ तथा अंत की औपचरिकताएँ- 1 अंक विषयवस्तु- 3 अंक भाषा- 1 अंक	**5×1=5**
प्रश्न 6.	6 क और ख प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से <u>एक-एक</u> विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में (2.5 अंक के विज्ञापन की जाँच के लिए अंक विभाजन) विषयवस्तु- 1 अंक प्रस्तुति- 1 अंक भाषा- 1/2 अंक	**2.5×2=5**
प्रश्न 7.	7 क और ख प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से <u>एक-एक</u> संदेश लगभग 40 शब्दों में (2.5 अंक के संदेश लेखन की जाँच के लिए अंक विभाजन) रचनात्मक प्रस्तुति- 1 अंक विषयवस्तु- 1 अंक भाषा- 1/2 अंक	**2.5×2=5**

<u>छात्रोपयोगी अध्ययन सामग्री</u>

<u>गद्य खंड</u>

<u>लखनवी अंदाज - लेखक – (यशपाल)</u>

<u>पाठ का सार</u> –

शीर्षक व्यंग्य –रचना में वास्तविकता की एक बनावटी जीवन शैली को अपनाने वाले सामंती वर्ग पर कटाक्ष किया गया है | कवि ने इसकी रचना यह सिद्ध करने के लिए की थी कि कथ्य के बिना कहानी नहीं लिखी जा सकती | एक बार लेखक नई कहानी का कथ्य खोजने के विचार से सेकण्ड क्लास के डिब्बे से रेलयात्रा के लिए घुसा | यहाँ पहले से ही एक व्यक्ति लखनवी अंदाज में पालथी लगाए बैठा था | उसके सामने एक तौलिये पर दो चिकने खीरे रखे थे | नवाबी तरीके से जीने वाले उस व्यक्ति को पहले तो लेखक की उपस्थिति अच्छी नहीं लगी | वह उपेक्षापूर्वक से बहार देखता रहा | फिर खीरों के टुकड़े काटकर तौलिये पर सजाये, उन पर मसाला छिड़का और अपनी शराफत दिखाने के लिए लेखक से खीरे खाने को कहा, लेखक ने आत्मसम्मान की दृष्टि से अस्वीकार कर दिया | इसके बाद नवाब साहब ने खीरे के एक –एक टुकड़े को उठाया ,उसे मुंह तक ले गए, सुंघा और खिड़की के बहार फैंक दिया | फिर एक डकार लेकर प्रदर्शित किया कि सूंघने से ही उनका पेट भी भर गया था, लेखक को अपने प्रश्न का **उत्तर** मिल चुका था | जब बिना खीरे नवाब साहब का पेट भर सकता था तो बिना कथ्य औरपात्र के कहानी भी लिखी जा सकती थी|

प्रश्न १ निम्नलिखित .प्रश्न के उत्तर२५ से ३० शब्दों में लिखिए– 2 x 4 = 8

प्रश्न -1. एब्स्ट्रैक्ट शब्द किन,–किन पर कटाक्ष करता है ?लेखक क्या कहना चाहता है ?

उत्तर – एब्स्ट्रैक्ट का अर्थ है –अशरीरी :जिसका भौतिक स्वरुप न हो ,केवल सूक्ष्म अस्तित्वा हो |ऐसे शब्द के माध्यम से लेखक ने नवाबों की काल्पनिक जीवन –शैली तथा नई कहानी के लेखकों की अति सूक्ष्म धारणाओं पर व्यंग्य किया है |

प्रश्न -2 .लखनवी अंदाज नामक व्यंग्य का क्या संदेश है |

उत्तर – लखनवी अंदाज नामक व्यंग्य में लेखक कहना चाहता है कि जीवन में स्थूल और सूक्ष्म दोनों का महत्व है | केवल गंध और स्वाद के शेयर पेट नहीं भर सकता | जो लोग एस तरह पेट भरने और संतुष्ट होने का दिखावा करते हैं ,वे ढोंगी हैं ,अवास्तविक हैं | इस व्यंग्य का दूसरा संदेश यह है कि लिए कोई –न कोई घटना पात्र और विचार अवश्य चाहिए | बिना घटना और पात्र के कहानी लिखना निरर्थक है |

प्रश्न- 3 . लेखक के मुँह में पानी आने पर भी खीरा खाने से इंकार क्यों किया ?

उत्तर – लेखक के मुँह में खीरे को देखकर पानी आ गया था |वह उसे खाने के लिए ललचा उठे थे , परन्तु वे एक बार नवाब साहब को मना कर चुके थे ,अतः अपने इंकार को बनाए रखने के लिए या आत्मसम्मान को बचाए रखने के लिए उन्होंने खीरा खाने से इंकार कर दिया |

प्रश्न- 4 .नवाब साहब ने गर्व से गुलाबी आँखों द्वारा लेखक की तरफ क्यों देखा ?

उत्तर – नवाब साहब ने खीरा खाने के बजाय उसे सूंघा और खिड़की के बाहर फेंक दिया | उसे लगा की उसकी नवाबी शान में चार –चाँद लग गए हैं | इसी गर्व के कारण उसकी आँखों में नशा आ गया |उसने अपनी इसी शान को दिखने के लिए लेखक की ओर गर्व से देखा |

प्रश्न- 5. क्या सनक का कोई सकारात्मक रूप हो सकता है| यदि हाँ तो ऐसी सनकों का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर - सनक को प्राय: एक नकारात्मक व्यवहार के रूप में देखा जाता है। सनक में कार्य करने वाले व्यक्ति को किसी काम की धुन-सी सवार रहती है, उसका विवेक और तर्क क्षीण हो जाता है। लेकिन सनक के अनेक सकारात्मक पक्ष भी देखने में आते हैं । शूरवीरों के कीर्तिमान, पर्वतारोहियों की मृत्यु संकट को चुनौती, अन्वेषकों के रोमांचकारी अभियान वैज्ञानिकों के चमत्कारी अनुसंधान, स्वतंत्रता आन्दोलन के सेनानियों का आत्मबलिदान ये सभी सनक के ही सकारात्मक परिणाम हैं। यदि सनक का लक्ष्य लोक-हितकारी हो और व्यक्ति का व्यवहार विवेक से निर्देशित हो तो सनक का सकारात्मक परिणाम सामने आता है ।

मानवीय करुणा की दिव्य चमक – लेखक –(सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

पाठ का सार

फादर कामिल बुल्के के बारे में लिखा एक संस्मरण है, संस्मरण स्मृतियों से बनता है तथा स्मृतियाँ विश्वसनीय होनी चाहिए | फादर कामिल बुल्के का जन्म बेल्जियम के रैम्स चैपल नगर में हुआ था | इस नगर को गिरजाघरों ,पादरियों और धर्मगुरुओं का शहर कहा जाता है | इंजीनियरिंग की आखिरी साल की पढाई करते समय फादर कामिल बुल्के का मन पादरी बनने को हुआ | इसके बाद उन्होंने भारत को अपना कर्मक्षेत्र बनाया |भारत आ कर फादर बुल्के पूरी तरह भारतीयता के रंग में रंग गए | वह सन्यासी का संकल्प लेकर सन्यासी तो बन गए परन्तु मन से सन्यासी नहीं बन सके | उन्होंने लोगों से सम्बन्ध बनाए तथा उनका निर्वाह भी किया |फादर के मन में सभी के प्रति अपार करुणा थी | उन्होंने भारत के लोगों तथा हिंद भाषा की अपार सेवा की | लेखक के फादर से अंतरंग संबंध थे | लेखक का विश्वास है कि जब तक राम कथा रहेगी , संत फादर बुल्के को भी भुलाया नहीं जा सकेगा |

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में दीजिए |

प्रश्न -1 .मानवीय करुणा की दिव्या चमक पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि इतनी ममता ,इतना अपनत्व ,वाक्य द्वारा फादर की कैसी छवि उभरती है ?

उत्तर – फादर कामिल बुल्के के हृदय में सभी के लिया ममता और अपनत्व भरा हुआ था |उनके हृदय में प्रत्येक के लिए प्यार भरा रहता था |उनके मन में कभी किसी के लिए कोई द्वेष भाव नहीं था |उनकी बांहें सभी को गले लगाने के लिए तैयार रहती थीं |

प्रश्न -2 . मानवीय करुणा की दिव्य चमक पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को परिश्रम कौन –से दिन याद आते हैं ?

उत्तर – लेखक को परिमल के वे दिन याद आते हैं ,जब वे सब एक पारिवारिक रिश्ते में बंधकर हँसी –मजाक में शामिल रहते , गोष्ठियों में गंभीर बहस करते तथा फादर रचनाओं पर बिना किसी झिझक के अपने विचार प्रस्तुत करते थे |घरेलू उत्सव और संस्कार में फादर बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े होकर आशीर्वाद देते थे |लेखक की पत्नी और पुत्र की मृत्यु पर फादर के शब्दों से झरती वायरल दुख शांति भी उसे याद आती थी |

प्रश्न -3 . मानवीय करुणा की दिव्य चमक पाठ द्वारा लेखक क्या संदेश देना चाहता है ?

उत्तर – इस पाठ के आधार पर लेखक यह संदेश देना चाहता है की सच्चा संन्यासी वही होता है ,जो संकल्प से संन्यासी होता है |एक संन्यासी हर प्रकार से समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए कार्य करता है |वह किसी राष्ट्र

विशेष का न होकर पूरे मानव जाति के हित के लिए कार्य करता है |इसके अतिरिक्त व्यक्ति में त्याग, प्रेम, करुणा एवं मानवीयता की भावना भी होनी चाहिए |

प्रश्न -4 . फादर कामिल बुल्के भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है –किस आधार पर ऐसा कहा गया है ? मानवीय करुणा की दिव्य चमक पाठ के आधार पर **उत्तर** दीजिए ?

उत्तर – फादर कामिल बुल्के ने भारतीय संस्कृति से प्रभावित होकर भारत आने का निश्चय किया था |वे भारतीय उत्सवों, संस्कारों, धर्म आदि के विषय में पूरी जानकारी रखते थे |वह लोगों के पारिवारिक उत्सवों और संस्कारों में बड़े बुज़ुर्ग की भांति सम्मिलित होते थे |राम- कथा :उत्पति और विकास जैसे भारतीय विषय पर शोध करना भारतीय संस्कृति के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है | भारतीय संस्कृति के प्रति उनके अगाध प्रेम के कारण ही लेखक ने उन्हें भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग माना है |

प्रश्न -5 . फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी ?

उत्तर – फादर 'परिमल' नामक साहित्यिक संस्था के सबसे वयोवृद्ध सदस्य थे |परिमल के सभी सदस्य संस्था को एक परिवार जैसे मानते थे | फादर इस परिवार के मुखिया के समान थे |वह अपने बड़प्पन का पूरा परिचय भी देते थे |सदस्यों के हँसी –मजाक से दुरी बनाते हुए भी वह परिमल की गोष्ठियों और साहित्यिक चर्चाओं में सक्रीय भाग लेते थे |उनका गंभीर स्तर की बहस करना और सदस्यों की रचनाओं पर अपनी बेवाक राय देना गोष्ठियों को उपयोगी और सार्थक बनाता था |इसके साथ ही वह सदस्यों के यहाँ होने वाले सभी पारिवारिक उत्सवों में भी उपस्थित रहते थे और अपने स्नेह तथा वात्सल्य भाव से सभी के सम्मान और श्रध्दा के पात्र बन जाते थे |यही कारण था कि परिमल के सभी सदस्यों को उनकी उपस्थिति देवदार वृक्ष की छाया जैसी पवित्र और सुखद प्रतीत होती थी |

काव्य खंड

-1सूर्य कान्त त्रिपाठी निराला - उत्साह , अट नहीं रही है

1- सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला -उत्साह (सारांश)

उत्साह कविता निराला जी ने बादल विषय पर आधारित है | इस कविता के माध्यम से निराला जी ने जीवन को अलग दिशा देने एवं अपना विश्वास खो चुके लोगों को प्रेरणा देने का प्रयास किया है | कवि बादलों के आने के जिक्र के जरिए , जीवन से निराश व हताश लोगों को यह उम्मीद देना चाहते हैं कि चाहे जो कुछ हो लेकिन आपके जीवन में भी खुशहाली जरूर लौटेगी और आपके अच्छे दिन जरूर आयेँगे

कविता मेँ उन्होंने दूसरा अहम संदेश ये दिया है कि जिस तरह बादल बेजान पौधे मेँ नई जान डाल देते हैं , वैसे ही मनुष्य को सारे दुखों को भूलकर अपने जीवन की नयी शुरुआत करनी चाहिए और जिंदगी मेँ हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहिए | मुख्य रूप से निराला जी ने यह कविता हमारे भीतर सोयी क्रान्ति को फिर से जगाने के लिए लिखी है |

उत्साह

1- कवि बादल से फुहार ,रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए कहता है ,क्यों ?

उत्तर – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी एक क्रांतिकारी कवि माने जाते हैं |और वो समाज में बदलाव लाना चाहते थे |लोगों की चेतना को जागृत करना चाहते थे | 'गरजना' शब्द क्रांति ,बदलाव और विद्रोह का प्रतिक है |इसीलिए वो बादलों से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए कहते हैं |

2- उत्साह कविता का उद्देश्य /संदेश स्पष्ट करें ?

उत्तर- उत्साह एक आह्वान गीत है | यह एक प्रतीकात्मक कविता है | कवि बादल से निवेदन करता है कि वह सारे गगन को घेर ले | वह विद्युत शक्ति से समाज मेँ गरजे , बरसे और जोश का प्रचार करे |

3- कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है ?

उत्तर –बादल भयंकर गर्जना के साथ जब बरसते हैं तो धरती के प्राणियों में एक नई उर्जा का संचार हो जाता है |लोगों का मन एक बार फिर नये जोश व उत्साह

से भर जाता हैं |कवि बादलों के माध्यम से लोगों में उत्साह का सृजन करना चाहते हैं और एक नई क्रांति लाने के लिए लोगों को उत्साहित करना चाहते हैं | इसलिए इस कविता का शीर्षक 'उत्साह' रखा गया है |

4- कविता मेँ बादल किन - किन अर्थों की ओर संकेत करता है ?

उत्तर- जल बरसाने वाली शक्ति के रूप मेँ , उत्साह और संघर्ष के भाव भरने वाले कवि के रूप मेँ , पीड़ाओं का ताप हरने वाली सुखकारी शक्ति के रूप मेँ |

5- नाद -सौंदर्य किसे कहते हैं ?

उत्तर-शब्दों का ऐसा प्रयोग जिससे कविता के किसी खास भाव या दृश्य मेँ ध्वन्यात्मक प्रभाव पैदा हो , नाद सौंदर्य कहलाता है |

<u>अट नहीं रही है</u>

कविता मेँ कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन बड़े ही सुंदर ढंग से किया है | होली के समय जो महिना होता है ,उसे फागुन कहा जाता है | इस कविता मेँ इस महीने मेँ प्रकृति एवं मानवीय मन मेँ होने वाले बदलाव को बड़े ही सुंदरता से दिखलाया है | फागुन के समय पूरी प्रकृति खिल -सी जाती है | हवाएँ मस्ती मेँ बहने लगतीं हैं , फूल खिल उठते हैं और आसमान मेँ उड़ते पक्षी सबका मन मोह लेते हैं | इस तरह प्रकृति को मस्ती मेँ देखकर मनुष्य भी मस्ती मेँ आ जाता है और फागुन के गीत , होरी, फाग इत्यादि गाने लगता है | कवि फागुन को कहतें हैं कि तुम्हारी सुंदरता इतनी मनमोहक है कि तुम्हारे सौंदर्य पर से आँख नहीं हटा पा रहा हूँ |

1- कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही हैं ?

उत्तर- फागुन माह में चारों तरफ एक से एक खूबसूरत फूल खिल जाते हैं |डाली हरे और लाल रंग के पत्तों से भर जाती हैं | वातावरण सुगंधित फूलों की खुशबू से महक उठता हैं |प्रकृति इतनी सुंदर व मनमोहक हो उठते हैं कि कवि उसकी सुन्दरता पर मोहित हो जाते हैं | वह प्रकृति के उस सौंदर्य से अपनी ऑखें हटाना तो चाहते हैं पर उनकी ऑखें उस पर इ हट नहीं पा रही है |

2- कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है ?

उत्तर- फागुन बहुत मतवाला , मस्त और शोभाशाली है | उसका रूप -सौंदर्य रंग -बिरंगे फूलों , पत्तों और हवाओं में प्रकट हो रहा है | फागुन के कारण मौसम इतना सुहाना हो गया है कि उस पर से आँख हटाने का मन नहीं करता |

3- फागुन के सौंदर्य का चित्रण कीजिए जिसके आधार पर उसे अन्य ऋतुओं से भिन्न समझा जाता है ?

उत्तर- फागुन में वातावरण बहुत मीठा और सुहावना होता है | धरती पर सबसे अधिक फूल खिलते हैं | आसमान साफ -स्वच्छ होता है | पक्षियों के समूह आकाश में विहार करते दिखाई देते हैं | वृक्षों पर नए फूल -पत्ते उगते हैं | सब जगह मानो शोभा ही शोभा बिखरी हुई है |फागुन की मस्ती संभाले नहीं संभल रही है |ये विशेषताएँ अन्य महीनों में नहीं होतीं |

4- फागुन की मस्ती का मानव -मन पर क्या प्रभाव दिखाई देता है ?

उत्तर-फागुन की मस्ती इतनी अधिक और रंगीन है कि मानव -मन इससे उत्साहित और प्रसन्न दिखाई देता है | इसके कारण वह अपने मन को भरा -भर और संतुष्ट पाता है | वह सौंदर्य से इतना प्रभावित है कि वह अपनी आँखें बंद नहीं करना चाहता | वह उस सौंदर्य को हमेशा अपनी आँखों में समा लेना चाहता है |

5- इस कविता में कवि ने नई कविता करने वाले कवियों किस सम्बोधन का प्रयोग किया है ?

उत्तर- कवि ने नई कविता करने वाले कवियों को नवजीवन वाले सम्बोधन का प्रयोग किया है |

कन्यादान - कवि ऋतुराज

<u>सारांश</u>- कन्यादान करते समय कन्या की माँ का दुख बहुत सच्चा और वास्तविक था , आखिर उसकी कन्या उसकी अंतिम पूँजी थी | उसकी कन्या अभी पूरी तरह सयानी नहीं थी | उसे संसार के कुछ सुखों का तो आभास था किन्तु आने वाले दुखों का बोध नहीं था | वह जीवन की कुछ मधुर कल्पनाओं में जी रही थी | माँ ने उसे विदा कराते समय समझाया कि वह जीवन के बाहरी सौंदर्य और वस्त्र आभूषण पर न रीझे | ये सब भ्रम है | वह जीवन की भयानक वास्तविकताओं को समझे ,कष्टों को जाने और लड़की होकर भी लड़की -सी भोली न बने | अपना शोषण न होने दे | दहेज जैसी सामाजिक प्रथा का उल्लेख कवि ने आज की बेटियों का शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने की प्रेरणा दी है |

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए|3x 2 =6

1- आपके विचार से माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना ?

उत्तर –माँ चाहती है उसकी पुत्री में लड़कियों जैसी सरलता,धर्य ,निस्वार्थता आदि गुण तो रहें लेकिन वह लड़की होने के नाते किसी भी प्रकार की हीनता ,दुर्बलता और भीरुता से ग्रस्त न हो |शोषण और अन्याय का दृढ़ता से सामना करे |उसे लड़की समझकर कोई उसके साथ अशोभनीय आचरण न कर सके |

2- माँ को अपनी बेटी अंतिम पूँजी क्यों लग रही थी ?

उत्तर-माँ अपनी बेटी से ही अपने सुख -दुख की बात कर लेती है इसलिए वही उसका सर्वस्व है , उसकी पूँजी है |

3- एक कन्या के मन में वैवाहिक जीवन की प्रायः कैसी कल्पनाएँ रहती हैं ?

उत्तर –विवाह से पूर्व कन्या प्रायः एक सरल और भोली किशोरी होती है |उसके मन में विवाह को लेकर अस्पष्ट किन्तु मधुर कल्पनाएँ रहती हैं | विवाह उसके लिए सजधज, धूमधाम, गहने ,वस्त्र और मधुर आलापों से पूर्ण उत्सव होता है |वह आनन्द से परिपूर्ण होता है |उसकी कल्पना में वैवाहिक जीवन अत्यन्त सुखद तथा सुन्दर होता है ||

4- लड़की जैसी दिखाई देने का क्या आशय है ? कवि ने उसे उसके लिए मना क्यों किया है ?

उत्तर- लड़की जैसी दिखाई देने का आशय है -प्रकट रूप से भोली ,सरल और समर्पणशील दिखाई देना | लड़की की माँ नहीं चाहती कि उसके ससुराल वाले उसकी सरलता और भोलेपन का शोषण करें , उसे दबाकर रखें , उसे काम के बोझ के नीचे न दबे |

5- 'कन्यादान'कविता में माँ ने बेटी को जो सीख दी है क्या वह आज के युग के अनुकूल है ?स्पष्ट कीजिए |

उत्तर –कविता में माँ द्वारा बेटी को दी गई सीख आज के युग के सर्वथा अनुकूल है |माँ जानती है कि परिवार में नववधू से क्या –क्या अपेक्षाएँ की जाती हैं |उसे कितने मान-अपमान सहने होते हैं |कितने समझौते करने पड़ते हैं |माँ चाहती कि उसकी बेटी सभी चुनौतियों से परिचित ही और उसमें उनका सामना करने का आत्मबल बना रहे |पारिवारिक दायित्वों का निर्वाह करते हुए भी स्वाभिमान से जिए |

कक्षा 10-कृतिका- भाग -2

माता का अंचल - लेखक – शिवपूजन सहाय

पाठ का सारांश -

माता का अंचल' पाठ लेखक शिवपूजन सहाय के बालपन से जुड़ी हुई कहानी है। इस कहानी में ग्रामीण जीवन का बहुत सुंदर चित्रण मिलता है। लेखक ने इस कहानी के माध्यम से बालमन की जिज्ञासाओं, खेलों, सहजता, शैतानियों का सजीव चित्रण किया है। यह कहानी पिता और पुत्र के प्रेम से आरंभ होती है। भोला के पिता उससे बहुत प्रेम करते हैं। भोला की भोर पिता के साथ आरंभ होकर, रात पिता के साथ ही समाप्त होती है। उसके पिता उसकी हर खुशी का ध्यान रखते हैं। भोला जैसे उनके जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। भोला भी उन्हें बहुत प्यार करता है। कहानी अपने अतिंम पड़ाव पर आकर एक ऐसे मोड़ पर समाप्त हो जाती है, जहाँ पर एक **प्रश्न** उठ खड़ा होता है। पिता-पुत्र के बीच प्रेम जितना भी गहरा हो परंतु बच्चे के लिए उसकी मातृत्व छाया बहुत महत्वपूर्ण होती है। माँ का आँचल वह स्थान है, जहाँ आकर सभी प्रकार के भय, चिंता, दुख और कष्ट समाप्त हो जाते हैं। भोला साँप को देखकर डर जाता है। लेकिन जब वह भागकर आता है, तो पिता के स्थान पर माता की गोद में ही स्वयं को सुरक्षित पाता है। इस कहानी का शीर्षक माँ और बच्चे के बीच प्रेम को समर्पित है। इससे हम यह नहीं कह सकते कि पिता का प्रेम माँ के प्रेम से कम था। परन्तु माँ की स्नेही छाया की कोई बराबरी नहीं कर सकता।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

प्रश्न 1.प्रस्तुत पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। आपकी समझ से इसकी क्या वजह हो सकती है ?

उत्तर -यह बात सच है कि बच्चे (लेखक) को अपने पिता से अधिक लगाव था। उसके पिता उसका लालन-पालन ही नहीं करते थे, उसके संग दोस्तों जैसा व्यवहार भी करते थे। परंतु विपदा के समय उसे लाड़ की जरूरत थी, अत्यधिक ममता और माँ की गोदी की जरूरत होती है माँ का स्नेह हृदयस्पर्शी होता है। | निश्छल हृदय शिशु को हृदयस्पर्शी स्नेह की पहचान होती है। यही कारण है विपदा के समय शिशु पिता के पास न जाकर माँ के पास जाता है।

प्रश्न 2.आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है?
उत्तर- शिशु अपनी स्वाभाविक आदत के अनुसार अपनी उम्र के बच्चों के साथ खेलने में रुचि लेता है व स्वतंत्रता का अनुभव करता है। अपनी उम्र के साथ जिस रुचि से खेलता है वह रुचि बड़ों के साथ नहीं होती है, खेलने के उत्साह में अपनी तकलीफ या समस्या भूल जाता है । दूसरा कारण मनोवैज्ञानिक भी है-बच्चे को अपने साथियों के बीच सिसकने या रोने में हीनता का अनुभव होता है। यही कारण है कि भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना भूल जाता है।

प्रश्न 3.भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है?
उत्तर-भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री से हमारे खेल और खेल सामग्रियों में कल्पना से अधिक अंतर आ गया है। भोलानाथ के समय में परिवार से लेकर दूर पड़ोस तक आत्मीय संबंध थे, जिससे खेलने की स्वच्छंदता थी। बाहरी घटनाओं-अपहरण आदि का भय नहीं था। खेल की सामग्रियाँ बच्चों द्वारा स्वयं निर्मित थीं। घर की अनुपयोगी वस्तु ही उनके खेल की सामग्री बन जाती थी, जिससे किसी प्रकार ही हानि की संभावना नहीं थी। धूल- मिट्टी से खेलने में पूर्ण आनंद की अनुभूति होती थी। न कोई रोक, न कोई डर, न किसी का निर्देशन । जो था वह सब सामूहिक बुद्धि की उपज थी।

आज भोलानाथ के समय से सर्वथा भिन्न खेल और खेल सामग्री और ऊपर से बड़ों का निर्देशन और सुरक्षा हर समय सिर पर हावी रहता है। आज खेल सामग्री स्वनिर्मित न होकर बाज़ार से खरीदी हुई होती है। खेलने की समय-सीमा भी तय कर दी जाती है। अतः स्वच्छंदता नहीं होती है। धूल-मिट्टी से बच्चों का परिचय ही नहीं होता है। आज की खेल व खेल सामग्री घर के अन्दर चारदीवारी के अन्दर ही सीमित रह गई हैं | बच्चे इलेक्ट्रोनिक उपकरणों मोबाइल व इन्टरनेट के आदी हो गए हैं |

प्रश्न 4.इस उपन्यास के अंश में तीस के दशक की ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है। आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस तरह के परिवर्तन दिखाई देते हैं।
आज की ग्रामीण संस्कृति को देखकर और इस उपन्यास के अंश को पढ़कर ऐसा लगता है कि कैसी अच्छी रही होगी वह समूह-संस्कृति, जो आत्मीय स्नेह और समूह में रहने का बोध कराती थी। आज ऐसे दृश्य दिखाई नहीं देते हैं। पुरुषों की सामूहिक-कार्य प्रणाली भी समाप्त हो गई है। अतः ग्रामीण संस्कृति में आए परिवर्तन के कारण वे दृश्य नहीं दिखाई देते हैं जो तीस के दशक में रहे होंगे-

1. आज घर सिमट गए हैं। घरों के आगे चबूतरों का प्रचलन समाप्त हो गया है।
2. आज परिवारों में एकल संस्कृति ने जन्म ले लिया, जिससे समूह में बच्चे अब दिखाई नहीं देते।

3. आज बच्चों के खेलने की सामग्री और खेल बदल चुके हैं। खेल खर्चीले हो गए हैं। जो परिवार खर्च नहीं कर पाते हैं वे बच्चों को हीनभावना से बचाने के लिए समूह में जाने से -

4. आज की नई संस्कृति बच्चों को धूलमिट्टी से बचना च-ाहती है।
5. घरों के बाहर पर्याप्त मैदान भी नहीं रहे, लोग स्वयं डिब्बों जैसे घरों में रहने लगे हैं।

प्रश्न 5 .इस पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है वह आपके बचपन की दुनिया से किस तरह भिन्न है?
उत्तर-हमारा बचपन इस पाठ में वर्णित बचपन से पूरी तरह भिन्न है। तब बच्चे घर के सामान जैसे साधारण सी चीजों से खेलने का काम चला लेते थे | वे प्रकृति की गोद में रहकर खुश थे |सभी पालक और घर के सदस्य बच्चों के साथ पूरा समय बिताते थे |जबकि आजकल सभी लोग व्यस्त हो गए हैं | मेरे पिता प्रायः अपने काम में व्यस्त रहते हैं। प्रायः वे रात को थककर ऑफिस से आते हैं। वे मुझसे प्यार-भरी कुछ बातें जरूर करते हैं। मेरे लिए मिठाई, चाकलेट, खिलौने भी ले आते हैं। कभी-कभी स्कूटर पर बिठाकर घुमा भी आते हैं, किंतु मेरे खेलों में इस तरह रुचि नहीं लेते। वे हमें नंग-धडंग तो रहने ही नहीं देते। उन्हें मानो मुझे कपड़े से ढकने और सजाने का बेहद शौक है। मुझे बचपन में ए-एप्पल, सी-कैट रटाई दो - ढाई साल की उम्र में मुझे स्कूल भेजने का प्रबंध किया गया। तीन साल के बाद मेरे जीवन से मस्ती गायब हो गई। मुझे मेरी मैडम, स्कूल-ड्रेस और स्कूल के काम की चिंता सताने लगी। तब से लेकर आज तक मैं 90% अंक लेने के चक्कर में अपनी मस्ती को अपने ही पाँवों के नीचे रौंदता चला आ रहा हूँ|

जार्ज पंचम की नाक –लेखक –(कमलेश्वर)

पाठ परिचय

“जार्ज पंचम की नाक’ प्रसिद्ध कहानीकार कमलेश्वर की व्यंगपूर्ण रचना है |इस कहानी में पूरा व्यंग नाक पर केन्द्रित है |हमारे यहाँ नाक सम्मान का प्रतीक है |नाक कटना ,नाक काटना , आदि मुहावरे सम्मान नष्ट होना और अपमानित करने के लिए हिंदी में प्रयुक्क्त होते हैं |जार्ज पंचम की नाक कमलेश्वर ने स्वाधीन भारत के उन शासकों ,प्रशासकों पर पैना व्यंग किया है ,जो अभी तक औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त नहीं हुए हैं | देश स्वाधीन हो गया है ,परन्तु जार्ज पंचम अभी तक उनके लिए सम्मान के पात्र हैं |मूर्तिकार पुरे देश का दौरा कर भारतीय महापुरुषों ,बलिदानी क्रांतिकारियों ,स्वतंत्रता सेनानियों मूर्तियों का अवलोकन करता है कि उनकी नाक निकालकर जार्ज पंचम की मूर्ति में लगा दें परन्तु उसको सबकी नाकें जार्ज पन्चम की नाक से बड़ी दिखाई देती है |देश हित के लिए सन 1942 में सहीद हुए बच्चों की मूर्तियों की नाकें भी जार्ज की नाक से बड़ी थी |जार्ज की मूर्ति पर नाक फिट करने के लिए हमारे शासक - प्रशासक इतने उतावले है की वे देश भक्तों की नाक काटने को भी तैयार हैं |अंत में किसी भारतीय की नाक काटकर जार्ज की मूर्ति को जिन्दा नाक लगा दी जाती है |यह बात जनता से छिपाई जाती है गुलामी के प्रतिक जार्ज की नाक जोड़ने के प्रति उनकी व्याकुलता से मानसिक गुलामी परिचय मिलता है इस कहानी में व्यवसायिक पत्रकारिता पर भी चोट की गयी है इसके रचियेता कमलेश्वर कथा कार के साथ -साथ सफल पत्रकार के रूप में भी दिखाई देते हैं |

प्रश्न 1 . सरकारी तंत्र में जार्ज पंचम की नाक लगाने को ले कर जो चिंता या बदहवासी दिखाई देती है वह उनकी किन मानसिकता को दर्शाती है ?

अथवा

जार्ज पंचम की नाक को लेकर सरकारी तंत्र की बदहवासी किस मानसिकता की द्योतक है ?

उत्तर - सरकारी तंत्र में जार्ज पंचम की नाक लगाने को लेकार जो चिंता या बदहवासी दिखाई देती है ,वह सदियों की परतंत्रता की छाप है| चाटुकारिता उनके तन मन में विद्यमान है और जहाँ चाटुकारिता का अभाव होता है वहाँ अपने सम्मान का कोई महत्व नहीं होता है |सरकारी तंत्र उस जार्ज पंचम की नाक के लिए चिंतित है जिसने न जाने कितने ही कहर ढाए |उसके अत्याचारों को याद ना कर उसके सम्मान में जुट जाता है |इस तरह सरकारी तंत्र अपनी अयोग्यता ,आदूरदर्शिता ,मूर्खता और चाटुकारिता को दर्शाता है |

प्रश्न 2 . ‘और देखते ही देखते नई दिल्ली का काया -पलट होने लगा’| नई दिल्ली के काया-पलट के लिए क्या -क्या प्रयत्न किये होंगे ?

उतर - काया पलट का अर्थ होता है - किसी वास्तु को बिलकुल नया रूप प्रदान करना अतः नई दिल्ली को हर तरह से एक सही मेहमान की शान के अनुरूप सजाया -सवांरा गया होगा हर

तरह की गंदगी हटवायी गयी होगी सड़कों को नई -नवेली बनाया गया होगा |सड़क किनारे के भवनों तथा सरकारी की इमारतों की मारम्म्त तथा रंगाई -पुताई करायी गयी होगी बिजली की सजावट फव्वारों को चालू करना तथा यातायात का सुप्रबंध आदि कार्य भी कराए होंगे |

प्रश्न 3 . जार्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या -क्या यतन किए ?

उत्तर - जार्ज पंचम की लात की नाक को पुनः लगाने के जो सराहनीय प्रयास किये ,वे सब निश्चित ही हैरान करने वाले थे | वे इस प्रकार हैं -

1 . मूर्तिकार ने फाइलें ढूंडवाई , जिससे इस पत्थर के स्थान का पता चल सके |

2 . फ़ाइल के न मिलने पर मूर्तिकार उस तरह का पत्थर ढूढ़ने के लिए हिंदुस्तान के हर पहाड़ पर गया |

3 . उसके लिए वह देश के सभी प्रमुख नेताओं की मूर्तियाँ ढूंढने तथा नाक नापने के लिए हर प्रान्त और कोने में गया |

4 .उसने बिहार सेक्रेटेरिएट के सामने सन बयालीस में शहीद हुए बच्ची की मूर्तियों की नाक नापी ,परन्तु सभी बड़ी निकलीं |

5 .अंत में देश के किसी जिंदा व्यक्ति की जिंदा नाक लगाने का प्रयास किया और यह प्रयास सफल रहा ,अंत में जिंदा नाक लगा दी गई |

प्रश्न 4 . नाक मान -सम्मान व प्रतिष्ठा का द्योतक है |यह बात पूरी व्यंग रचना में किस तरह उभर कर आई हैं ?लिखिए |

उत्तर - नाक सदा से ही मान-सम्मानेवाम प्रतिष्ठा का प्रतिक रही है | प्रतिष्ठा के प्रतिक इसी नाक को इस व्यंग -रचना का विषय बनाया गया है ,साथ ही देश की सरकारी व्यवस्था ,मंत्रियों ,अधिकारियों एवं कर्मचारियों की गुलाम मानसिकता पर कठोर ब्रहार किया गया है | देश स्वतंत्र हुए आज लम्बा समय बीत जाने पर भी अधिकारी एवं कर्मचारी उसी मानसिकता में जी रहे हैं |लाट की जिस टूटी नाक की किसी को भी चिंता नहीं थी ,वह एलिजावेथ के भारत आगमन के कारण अचानक महत्वपूर्ण हो उठी और सरकारी तंत्र तथा अन्य कर्मचारी बदहवास हो उसे पुनः लगाने के लिए हर प्रकार का जोड़ -तोड़ काम में जुट गए |उनमें मची आपाधापी देखने लायक थी |यह गुलामी की मानसिकता का ही असर था कि वे जार्जपंचम की नाक को अब और देर तक टूटी हुई नहीं देख सकते थे ,न इस दशा में एलीजावेथ को दिखाना चाहते थे | निश्चित रूप में यह गुलामी की मानसिकता का ही प्रतिक थी |

साना साना हाथ जोड़ि
पाठ का सार –लेखक –(मधु कांकरिया)

साना हाथ-साना'जोड़ि । मधु कांकरिया द्वारा रचित यात्रा वृतांत है ''साना-साना हाथ जोड़ि' मधु कांकरिया द्वारा रचित यात्रा वृतांत है । लेखिका द्वारा महानगरों की भाव शुन्यता, भागम भाग और यत्रवंत जीवन की ऊब से बचने के लिए दूरस्थ स्थानों की यात्रा की गयी । प्रस्तुत पाठ में लेखिका ने भारत के पूर्वोतर राज्य सिक्किम की राजधानी गंतोक और उसके आगे हिमालय यात्रा का वर्णन किया है ।

लेखिका को गंतोक शहर सुबह, शाम, और रात हर से अच्छा लगता है । यहाँ की रहस्यमयी रातें उन्हें सम्मोहित सी करती प्रतीत होती है । धीरे -धीरे सुबह के उजाले के साथ लेखिका के होठ नेपाली युवती से सुनी प्रार्थना को गुनगुना रहे थे । सुबह लेखिका को यूमथांग के लिए निकलना था । उनके ड्रायवर कम गाइड जितेन नार्गे ने बताया कि यहाँ के मार्ग गहरी और फूलो से लदी घाटियाँ मिलेंगी । उन्होंने बताया कि वहां बुद्ध की बहुत मान्यता है । लेखिका को जगह- जगह पर दलाई लामा की तस्वीर दिखाई देती है

आगे चलने पर ' कवी -लोंग –स्तौक' स्थान आता है । जितेन ने बताया कि यही 'गाइड' फिल्म की शूटिंग हुई थी ।लेखिका को एक कुतिया में घूमता हुआ चक्र दिखाई देता है , जिसे ' धर्म चक्र कहा जाता है । कुछ और आगे चले के बाद स्वेटर बुनती युवतियां कॉटन धोते बौने नेपाली मिल रहे थे । स्त्रियाँ बच्चों को पीठ पर लादकर काम करती हैं । बच्चे स्कूल से आने के बाद माता-पिता के काम में हाथ बटाते है । पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहाँ सभी कार्य बड़ी मेहनत से पूरे होते हैं । इसी कारण इसे मेहनकश बादशाहों का शहर कहा जाता है ।

अब जीप 'सेवन सिस्टर्स वाटर फाल' स्थान पर रुकी जिसकी प्राकृतिक सौंदर्य में लेखिका खो गयी । उनकी मुग्धता पहारी औरतों द्वारा पत्थरो को तोड़ने की आवाज़ से टूटती है । लेखिका को यह देखकर बहुत दुःख हुआ कि इतने सुन्दर तथा प्राकृतिक स्थान पर भी भूख, मौत और जीवित रहने की जंग चल रही थी । जब जीप और ऊचाई पर पहुंची तो जितेन ने बताया कि यहाँ बच्चे तीन - साढ़े तीन किलोमीटर पहाड़ी पर चढ़ कर विद्यालय जाते है ।

यूमथांग पहुचने के लिए लायुंग में लेखिका व् उनके सहयात्री ठहरें थे । लायुंग में एक सिक्कमी नवयुवक ने उन्हें बताया कि प्रदूषण के कारन यहाँ बर्फ़बारी लगातार कम होती जा रही है ।

लेखिका बर्फ़बारी देखने लायुंग से ५०० फीट की ऊचाई पर ‘ कटाओ’ नमक दुर्गम स्थान पर जाती है ।

आगे बढ़ने पर मार्ग में इक्की -दुक्की फौजी छावनियां दिखाई देती है । वहां से थोड़ी दूर पर चीन की सीमा थी । लेखिका को भारतीय सैनिकों पर गर्व हुआ । वह सोचने लगी कि पौष ओर माघ के महीनों में जब केवल पेट्रोल को छोड़कर सब जम जाता है उस्सी समय भी ये सैनिक हमारी रक्षा के लिए दिन- रात लगे रहते है ।

लेखिका की साथी मणि बताती है कि ये पहाड़ी कुत्ते है जो केवल चांदनी रात में ही भौंकते हैं । जितेन ने यह भी बताया कि यहाँ पर एक ऐसा पत्थर है, जिस पर गुरुनानक के पैरों के निसान हैं । कहा जाता है कि उनके पैरों से छिटके चावल के कारण यहाँ चावल की खेती होती है । जितेन ने उन्हें यह भी बताया कि तीन-चार किलोमीटर आगे ‘खेदुम’ नमक एक स्थान है जिसमे देवी देवताओ का निवास है । सिक्किम के लोगों का विस्वास है जो यहाँ गन्दगी फैलता है , उसकी मृत्यु हो जाती है । जितेन यूमथांग के विषय में यह भी जानकारी देते है कि जब सिक्किम भारत में मिला तो उसके कई वर्षों बाद भारतीय सेना कफ्तान शेखर दत्ता के दिमाग में यह विचार कि केवल सैनिकों को रखकर क्या होगा इस स्थान को ‘टूरिस्ट स्पौट’ बबनाया जा सकता है ।

लेखिका सोचती है कि नए -नए स्थानो की खोज अभी भी जारी है और शायद मनुष्य की कभी न समाप्त होने वाली खोज का नाम सौंदर्य है ।

निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** 50 शब्दों में दीजिए| 3x2=6

प्रश्न 1 झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका के मन को किस तरह सम्मोहित कर रहा था ?

उत्तर झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका के मन को सम्मोहन जगा रहा था । इस सुन्दरता ने उस पर ऐसा जादू- सा कर दिया था कि उससे सब कुछ ठहरा हुआ सा और अर्थहीन -सा लग रहा था ।उसके भीतर बहार जैसे एक शून्य सा व्याप्त हो गया था ।

प्रश्न 2 गंतोक को ‘ मेहनकश बादशाहों का शहर’ क्यों कहा गया ?

उत्तर पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहाँ सभी कार्य बड़ी मेहनत से पूरे होते हैं । स्त्रियाँ बच्चों को पीठ पर लादकर काम करती हैं । बच्चे स्कूल से आने के बाद माता-पिता के काम में हाथ बटाते है । इसी कारण इसे मेहनकश बादशाहों का शहर कहा जाता है ।

प्रश्न 3 प्रकृति के उस अनंत और विराट स्वरुप को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति होती है ?

उत्तर लेखिका के अनुसार वहां की प्रकृति इतनी मोहक थी कि लेखिका 'माया' और 'छाया' के खेल को देखती रह जाती है l उन्हें ऐसा लगता है जैसे प्रकृति अपना परिचय दे रही है l उनका मानना है कि जीवन की सार्थकता, स्वयं को झरनों और फूलों की सुन्दर अनुभूतियों में विलीन कर देने में है l झरनों की भांति निरंतर गतिशील रहना और फूलों की भाँती अपनी सुगंध फैलाना ही जीवन का सच्चा लक्ष्य है l

प्रश्न 4 प्राकृतिक सौन्दर्य के आलौकिक आनंद में डूबी लेखिका को कौन- कौन से दृश्य झकझोर गए ?

उत्तर प्राकृतिक सौन्दर्य के आलौकिक आनंद में डूबी लेखिकाको सड़क बनाने के लिए पत्थर तोड़ती सुंदर कोमलांगी, पहाड़ी औरतों का दृश्य झकझोर गया । उसने देखा कि अद्‌वितीय सौन्दर्य से अनजान कुछ पहाड़ी औरते पत्थरों को तोड़ रही थी । यह विचार उसके मन को बार-बार झकझोर रहा था की नदी, फूलों , वादियों और झरनों के ऐसे स्वर्गिक सौन्दर्य के साथ भूख , मौत, दैन्य और जिजीविषा की जंग जारी है ।

प्रश्न 5 जितेन के अनुसार पहाड़ी लोग गन्दगी क्यों नहीं फैलाते ?

उत्तर जितेन सिक्किम के जनजीवन, संस्कृति तथा धार्मिक ज्ञान आदि से भलीभांति परिचित है l उनके अनुसार पहाड़ी लोगों की मान्यता है कि वहां विशेष देवी-देवताओं का निवास है l वे ऐसा विश्वास रखते हैं कि जो यहाँ गन्दगी फैलाएगा, उसकी मृत्यु हो जाएगी l
l उसकी मृत्यु हो जाएगी ,जो यहाँ गन्दगी फैलाएगा

(लेखन खंड)

द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम में अनुच्छेद लेखन , पत्र लेखन , विज्ञापन लेखन एवं सन्देश लेखन से सम्बंधित **प्रश्न** पूछे जाएंगे | ये वर्णनात्मक **प्रश्न** होंगे | इस खंड के लिए कुल 40 अंक निर्धारित हैं |

(1) <u>अनुच्छेद लेखन</u>

किसी विषय पर अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप में प्रभावशाली ढंग से अनुच्छेद में व्यक्त करना अनुच्छेद लेखन कहलाता है | विभिन्न विषयों और सन्दर्भों पर तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत बिन्दुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े विषयों पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लेखन हेतु **प्रश्न** परीक्षा में पूछा जाएगा | दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखना होगा | इसके लिए 5 अंक निर्धारित होंगे |

ध्यान देने योग्य बिंदु -

(क) दिए गए विषयों को ध्यान से पढ़ें और विचार करें कि किस विषय पर आप ज्यादा प्रभावी लेखन कर सकते हैं |उसी शार्षक को चुनकर लेखन करना चाहिए |

(ख) चुने गए विषय पर ही लेखन को केन्द्रित रखना चाहिए |

(ग) विचारों की पुनरावृत्ति से बचना चाहिए |

(घ)भाषा सरल,सहज और बोध प्रधान,प्रभावी हो |

छोटे और सरल वाक्यों के प्रयोग पर बल देना चाहिए |

उदहारण - विषय -<u>परिश्रम का महत्तव</u>

(संकेत बिंदु - परिश्रम सफलता प्राप्ति का माध्यम , आदर्श जीवन का मूल मन्त्र श्रम , परिश्रम की महत्ता)

सृष्टि के आरम्भ से लेकर आज तक मनुष्य ने जो भी विकास किया है , वह परिश्रम की ही देन है |सफलता का मूल मन्त्र परिश्रम है |सफलता उसी व्यक्ति के चरण चूमती है जो परिश्रमी होता है | एक साधारण मनुष्य भी परिश्रम के बल पर महान बन सकता है | परिश्रम से ही कार्य सफल होते हैं , सोचने मात्र से नहीं | परिश्रम के बिना तो सामने रखा हुआ भोजन भी मुख में नहीं जाता |किसान खेतों में लगातार मेहनत करता है - गर्मी ,धूप

और वर्षा की की परवाह किए बिना और उसके परिश्रम का सुखद फल उसे अच्छी फसल के रूप में मिलता है | भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस, अब्दुल कलाम , अब्राहम लिंकन , लेनिन ,गांधी जैसे महान लोगों ने निरंतर परिश्रम करके ही सफलता प्राप्त की |परिश्रम करने वाले को आत्मिक शांति मिलती है | मनुष्य को जब उसके परिश्रम का फल मिलता है तो उसे असीम सुख की अनुभूति होती है | परिश्रमी व्यक्ति को जीवन में निराशा का सामना नहीं करना पड़ता |श्रम ही जीवन है , उन्नति का मूल आधार है और मानव - जीवन का सच्चा सौंदर्य है |

परीक्षा की दृष्टि से कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण विषय -

(क) मेरे जीवन का लक्ष्य - (संकेत बिंदु - स्वयं द्वारा निर्धारित लक्ष्य , प्राप्त करने के लिए योजना , प्राप्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास)

(ख) वसंत ऋतु - (संकेत बिंदु - विभिन्न ऋतुओं के नाम , वसंत की अवधि , वसंत में होने वाले परिवर्तन)

(ग)शिक्षा का माध्यम- मातृभाषा-(संकेत बिंदु - मातृभाषा का अर्थ एवं उपयोगिता, मनोवैज्ञानिक आधार, शिक्षणकामाध्यम, निष्कर्ष)

(घ) जल ही जीवन है - (संकेत बिंदु -अर्थ/भूमिका, दूषित करने वाले तत्व,रक्षा के उपाय,निष्कर्ष)

(2)पत्र-लेखन

पत्र - लेखन का मानव जीवन में एक महत्तवपूर्ण स्थान है | पत्र - लेखन की परम्परा अत्यंत प्राचीन है | पत्र में लिखे हुए शब्दों का प्राप्तकर्ता पर असर पड़ता है | अभिव्यक्ति क्षमता को परखने की दृष्टि से पत्र-लेखन के लिए लगभग 120 शब्दों की निर्धारित सीमा के भीतर दिए गए दो विषयों में से किसी एक विषय पर परीक्षा में पत्र लिखना होगा | दिए गए विषय औपचारिक एवं अनौपचारिक विषय होंगे |इनके लिए 5 अंक निर्धारित होंगे |

पत्र-लेखन के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण बातें -

(क) पत्र-लेखन की भाषा सुबोध , सरल होनी चाहिए , अलंकारिक भाषा के प्रयोग से बचना चाहिए |

(ख)विषय केन्द्रित होना चाहिए , बातों का दुहराव नहीं होना चाहिए |शिष्ट और संयत भाषा का प्रयोग करना चाहिए |

(ग) पत्र का लेखन प्राप्तकर्ता की पद और गरिमा का ध्यान रखते हुए करना चाहिए |व्यक्तिगत पत्र आत्मीयता पूर्ण होना चाहिए |

पत्र के प्रकार - (1) अनौपचारिक पत्र (2) औपचारिक पत्र

(1) अनौपचारिक पत्र - जिनसे व्यक्तिगत सम्बन्ध हो , उनको लिखा जाता है | इनमें मित्र , रिश्तेदार , निकट संबंधी आते हैं |इसके प्रकार - बधाई पत्र , धन्यवाद पत्र , शुभकामना पत्र , निमंत्रण पत्र , संवेदना पत्र ,सामान्य पत्र ,आदि होते हैं |

अनौपचारिक पत्र का सामान्य प्रारूप -

....

....

.............प्रेषक का पता

.................दिनांक

................संबोधन

.................अभिवादन

....

....

....पत्र की विषय सामग्री

.........................अभिवादन

......................स्व निर्देश

.....................नाम

उदहारण - अपने मित्र भानु राज को एक पत्र लिखिए , जिसमें नीट की परीक्षा पास करने और रायपुर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने में मिली सफलता की बधाई दी गई हो |

बी-1000, जमनी पाली

कोरबा

दिनांक -23-11-2021

प्रिय मित्र भानु राज

सप्रेम नमस्ते |

मैं यहाँ कुशल पूर्वक हूँ , यह जानकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई कि तुमने नीट 21 की परीक्षा अच्छे अंकों के साथ पास कर ली है | तुम्हें इस आधार पर रायपुर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिल गया है | वास्तव में तुमने इस प्रवेश परीक्षा हेतु खूब परिश्रम किया था |इस सफलता के लिए मैं तुम्हे हार्दिक बधाई देता हूँ | मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि तुम हर परीक्षा में उत्तम अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त करते रहो और स्वयं का तथा अपने माता-पिता का नाम रोशन करते रहो | गर्मी की छुट्टियों में तुम मेरे घर अवश्य आना और मेरे छोटे भाई नीतिज्ञ को नीट परीक्षा की तैयारी के सम्बन्ध में मार्गदर्शन प्रदान करना |शेष सब कुशल है | तुम्हारे घर के सभी बड़ों को मेरा प्रणाम और छोटों को स्नेह |

तुम्हारा अभिन्न मित्र

राहुल साहू

(2) औपचारिक पत्र- औपचारिक पत्र संस्था प्रमुख, प्रभारी अधिकारी वर्ग ,उच्च पद में आसीन व्यक्तियों को संबोधित करते हुए लिखा जाता है | इसके कुछ प्रमुख प्रकार - प्रार्थना पत्र , आवेदन पत्र , कार्यालयी पत्र , शिकायती पत्र , सार्वजानिक पत्र ,संपादक के नाम पत्र , व्यावसायिक पत्र आदि हैं |

औपचारिक पत्र का सामान्य प्रारूप -

....

....

.............प्रति / सेवा में

.................प्राप्तकर्ता का पदनाम

..................स्थान

.................विषय

.................सन्दर्भ

................आदरसूचक संबोधन

....

....

....पत्र की विषय सामग्री

.........................धन्यवाद

......................भवदीय / प्रार्थी

.....................नाम , पदनाम

.................पता ,दिनांक

उदहारण - अपने विद्यालय में खेल का सामान मँगवाने का अनुरोध करते हुए प्राचार्य को पत्र लिखिए |

सेवा में

माननीय प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2

एन टी पी सी , कोरबा

विषय : खेल का सामान मँगवाने हेतु आवेदन पत्र |

महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में खेल परिषद की प्रतिनिधि हूँ | मैं आपका ध्यान खेल के सामान की यथासमय आपूर्ति की ओर आकर्षित कराना चाहती हूँ | विगत

दो वर्षों से कोरोना प्रभाव के कारण विद्यालय की टीमों का विभिन्न खेलों का अभ्यास ठीक से नहीं हो पाया है |वर्तमान में स्थिति सामान्य होने की दशा में विद्यालय , संकुल ,क्षेत्रीय ,राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की संभावित तिथियाँ घोषित हो चुकी हैं | विद्यालय के खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए खेल सामग्री की अत्यंत आवश्यकता है |अतः आपसे सादर अनुरोध है कि इस वर्ष विद्यालय में शीघ्र से शीघ्र खेल सामग्री मँगवाने की कृपा करें ताकि हमारे विद्यालय के ख़िलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए समुचित तैयारी कर सकें और खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए तैयार हो सकें |

धन्यवाद

आपकी कृपा पात्र

सुनीता कुमारी

दसवीं 'अ'

दिनांक .17-11-2021

(3) <u>विज्ञापन लेखन</u>

वर्तमान समय में किसी वस्तु या सेवा के उत्पादक , विक्रेता का मुख्य उद्देश्य अपनी वस्तु या सेवा उत्पाद के बारे में आकर्षक ढंग से अधिक से अधिक लोगों तक प्रचारित करना होता है | 'वि' और 'ज्ञापन' दो शब्दों से बना 'विज्ञापन' का शाब्दिक अर्थ हम विशेष ज्ञापन के रूप में समझ सकते हैं |विज्ञापन , उत्पादक और उपभोक्ता के बीच सम्प्रेषण का सबसे सशक्त माध्यम है |

रचनात्मक अभिव्यक्ति को परखने की दृष्टि से विज्ञापन लेखन के लिए लगभग 50 शब्दों की निर्धारित सीमा के भीतर दिए गए विषयों में से किन्हीं दो विषयों पर परीक्षा में विज्ञापन तैयार करना होगा | इनके लिए (2.5+2.5=)5 अंक निर्धारित होंगे |

विज्ञापन तैयार करते समय ध्यान देने योग्य बातें -

(क)विज्ञापन आकर्षक हो |

(ख) कम से कम शब्दों में उत्पाद की विशेषताओं को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया हो |

(ग)विज्ञापन को बॉक्स बना कर तैयार किया गया हो|

(घ) विज्ञापन को असरदार बनाने के लिए चित्रों का प्रयोग किया जा सकता है |

उदहारण -आपके शहर में विराट हास्य कवि सम्मलेन आयोजित होने जा रहा है इसमें देश के प्रसिद्ध हास्य कवि आमंत्रित हैं | इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए -

चित्र विराट हास्य कवि सम्मलेन चित्र
दिनांक : रविवार ,12 दिसम्बर, 2021
समय : शाम 7 बजे से 10 बजे तक
स्थान : हाई स्कूल मैदान ,दीपक नगर, दुर्ग(छ.ग.)
प्रमुख कवि
पद्मश्री डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे , अरुण जेमिनी ,शैलेष लोढ़ा ,कुमार विश्वाश, मीना शर्मा
(भारत के सुप्रसिद्ध कवियों का अनोखा संगम , विभिन्न विषयों पर हँसी की फुहारों का जबरदस्त प्रदर्शन - इस अवसर का लाभ उठाने हेतु आप सादर आमंत्रित हैं)
आयोजक - नवयुवक साहित्य प्रेमी मंडल , दुर्ग
विशेष - कोविड 19 नियमों का पालन करते हुए कार्यक्रम का आनंद लेवें |

(4) सन्देश लेखन

व्यक्ति विशेष अथवा समूह द्वारा व्यक्ति विशेष / समूह को सन्देश दिया जाता है | यहाँ लिखित रूप में एक व्यक्ति द्वारा अन्य व्यक्ति / समूह तक पहुँचाने के लिए सन्देश लेखन की चर्चा की जा रही है |

परिक्षा में शुभकामना , पर्व ,त्योहारों ,विशेष अवसरों आदि पर दिए जाने वाले विशेष संदेशों पर आधारित सन्देश लेखन के लिए लगभग 40 शब्दों की निर्धारित सीमा के भीतर दिए गए विषयों में से किन्हीं दो विषयों पर सन्देश लेखन करना होगा | इनके लिए (2.5+2.5=)5 अंक निर्धारित होंगे |

सन्देश लेखन करते समय ध्यान देने योग्य बातें -

(क) सन्देश लेखन की भाषा सरल ,सहज , प्रसंग के अनुकूल होनी चाहिए |

(ख) अभिधा शब्द शक्ति का ही प्रयोग होना चाहिए |

(ग) तिथि ,स्थान का उल्लेख किया जाना चाहिए |

(घ)सन्देश लेखन बॉक्स के भीतर होना चाहिए |

उदाहरण - हिन्दी दिवस के अवसर पर शुभकामना सन्देश लिखिए -

हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ

दिनांक :14 सितम्बर 2021

"निज भाषा उन्नति अहै , सब उन्नति को मूल |
बिन निज भाषा ज्ञान के , मिटत न हिए को सूल ||"

सभी देशवासियों को हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ | हम अपनी भाषा का गौरव बनाए रखें | हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग करें |हिंदुस्तान की आन , बान और शान हिन्दी है |

विकास देवांगन
(हिन्दी विद्यार्थी)

प्रादर्श प्रश्न पत्र - 1

सत्रांत परीक्षा (द्‌वितीय) 2021-22

कक्षा - 10 वीं विषय - हिन्दी (कोड -002)

पूर्णांक - 40 **अवधि - 2 घंटा**

सामान्य निर्देश :

1 . इस **प्रश्न**पत्र में दो खंड हैं – खंड 'क' और 'ख' |

2 . सभी **प्रश्न** अनिवार्य हैं ,यथासंभव सभी प्रश्नों के **उत्तर** क्रमानुसार ही लिखिए |

3 . लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए |

4 . खंड 'क' में कुल 3 **प्रश्न** है |दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उपप्रश्नों के **उत्तर** दीजिए |

5 . खंड 'ख' में कुल 4 **प्रश्न** हैं , सभी प्रश्नों के साथ विकल्प भी दिए गए हैं |निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए चारों प्रश्नों के **उत्तर** दीजिए

प्रश्न 1 . क्षितिज - गद्‌य खंड के निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** 25 से 30 शब्दों में लिखिए - (2 x 4 =8)

(क) लखनवी अंदाज पाठ में लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं ?

(ख) "लखनवी अंदाज"- पाठ का आप और क्या शीर्षक दे सकते हैं ? कारण सहित **उत्तर** दीजिए |

(ग) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी ?

(घ) आप कैसे कह सकते हैं कि फादर कामिल बुल्के हिन्दी से असीम लगाव रखते थे ? स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न 2 . क्षितिज - काव्य खंड के निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** 25 से 30 शब्दों में लिखिए - (2x3=6)

(क) कवि निराला ने बादलों से फुहार ,रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने ' के लिए क्यों कहा है ?

(ख) फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है ?

(ग) माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना ?

(घ)कन्यादान कविता में मां बेटी को क्या सीख देना चाहती है?

प्रश्न3.कृतिका के निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** 30 से 40 शब्दों में लिखिए(3x2=6)

(क) 'माता का अँचल' पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है वह आपके बचपन की दुनिया से किस प्रकार भिन्न है?

(ख) कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहरना किन अलग-अलग अवसरों की तरफ संकेत करता है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ग)जॉर्ज पंचम की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या-क्या यत्न किए।

प्रश्न.4- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5x1=5)

(क).श्रम का महत्व -(* तात्पर्य...* सफलता प्राप्ति का साधन एवं भविष्य निर्माण का आधार....* श्रम न करने के दुष्परिणाम...*- निष्कर्ष)

(ख) धरती का रक्षा कवच- ओजोन- (*ओजोन का अर्थ/भूमिका.... *ओजोन परत को नष्ट करने वाले तत्व..... *रक्षा के उपाय... *निष्कर्ष)

(ग)शिक्षा का माध्यम- मातृभाषा-(*मातृभाषा का अर्थ एवं उपयोगिता....*मनोवैज्ञानिक आधार....*शिक्षणकामाध्यम.....*निष्कर्ष)

प्रश्न. 5- आपके जिले के खाद्य अधिकारी को (लगभग 120 शब्दों में)एक पत्र लिखिए जिसमें खाद्य वस्तुओं में मिलावट के बारे में शिकायत करते हुए उचित कार्यवाही का अनुरोध किया गया हो। (5*1=5)

अथवा

अपने बड़े भाई को नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त करने की बधाई देते हुए (लगभग 120 शब्दों में) एक पत्र लिखिए |

प्रश्न.6- दिए गए विषयों में से किन्हीं दो विषयों पर (प्रत्येक लगभग 50 शब्दों का) आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए | (2.5*2=5)

(क) शुभम साड़ी के नये शो रूम का आकर्षक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए | (2.5)

अथवा

कोविड 19 टीकाकरण अभियान का एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए|

(ख) किसी कोचिंग संस्थानके लिए आकर्षक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए|(2.5)

अथवा

दुपहिया वाहनों के शोरुम हेतु आकर्षक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में लिखिए |

प्रश्न.7- दिए गए विषयों में से किन्हीं दो विषयों पर(प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में) | सन्देश लिखिए | (2.5*2=5)

(क) अपनी छोटी बहन के जन्मदिवस पर उसे एक बधाई संदेश लगभग 40 शब्दों में लिखिए | (2.5)

अथवा

शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने हिंदी शिक्षक के लिए एक भावपूर्ण संदेश लगभग 40 शब्दों में लिखिए |

(ख) भैया –भाभी की पहली वैवाहिक वर्षगाँठ पर लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए| (2.5)

अथवा

अपने चाचा को नौकरी में मिली पदोन्नति पर बधाई संदेश लगभग 40 शब्दों में लिखिए |

प्रादर्श **प्रश्न** पत्र - (1) **उत्तर** संकेत

सत्रांत परीक्षा (द्‌वितीय)2021-22

कक्षा - 10 वीं विषय - हिन्दी (कोड -002) पूर्णांक - 40

अवधि - 2 घंटा

नोट : प्रस्तुत **उत्तर** संकेत मात्र हैं |

प्रश्न.1 .**उत्तर** 25-30 शब्द - 2x4=08

(क) लेखक के सेकण्ड क्लास डिब्बे में आते ही नवाब साहब के चेहरे पर असंतोष छा गया ....उनके एकांत में बाधा ...लेखक की ओर न देखने का अभिनय ...

(ख) उपयुक्त **उत्तर** पर अंक ...

(ग) साहित्यिक संस्था 'परिमल ' के वरिष्ठ, आदरणीय सदस्य ...मानवीय गुणों से लबालब ..सबके लिए कल्याण की कामना करने वाले ...आशीर्वाद देने वाले ..नीली आँखों में वात्सल्य ...|

(घ) हिन्दी में एम. ए. किया ...1950 में अपना शोध-प्रबंध 'रामकथा :उत्पत्ति और विकास ' हिन्दी में पूर्ण किया....अंग्रेज़ी-हिन्दी शब्दकोश लेखन..|

प्रश्न 2 . **उत्तर** 25 से 30 शब्द - 2x3 =6

(क) आह्वान गीत है...इसके स्वर में ओज और क्रांति है ...बादलों की गर्जना से कवि लोगों में उत्साह भरकर , परिवर्तन के लिए उन्हें जागृत करना चाहता है |

(ख)वसंत का आगमन ...नये फूलों ,पत्तों का आना...कोयल का गान ..आनंद दायक मौसम ...

(ग) माँ के जीवन का अनुभव ...बेटी को विवाहित जीवन की कठिनाइयों से के प्रति सचेत करने के लिए ...अत्याचार का शिकार होने से बचाने के लिए ...

(घ) उतर- मां चाहती है कि बेटी भोली और सरल बनी रहे ।विवाह के मधुर सपनों में ही ना खोई रहे बल्कि जीवन के कठोर के यथार्थ से भी परिचित हो। वह दुर्बलता से मुक्त होकर आगामी जीवन की हर समस्या का सामना करने को तैयार रहें। वह लड़की होने के अहसास को स्वीकार करें किंतु लड़की की परंपरागत दुर्बल छवि से मुक्त होकर जिए।

प्रश्न3.**उत्तर** 30 से 40 शब्दों में (3x2=6)

(क) उपयुक्त **उत्तर** पर अंक ...

(ख)108 श्वेत पताकाएँ बौद्ध धर्म अनुयायी की मृत्यु पर ,उनकी आत्मा की शांति के लिए ....नए कार्य की शुरुआत के लिए रंगीन पताकाएँ ....

(ग)**उतर-** मूर्तिकार ने जॉर्ज पंचम की नाक में लगाने के लिए हर संभव यत्न किया ।सर्वप्रथम मूर्ति में प्रयोग किए गए पत्थर की खोज में उसने सारे भारत के पर्वतों और पत्थरों की खानों का दौरा किया।

असफलता मिलने पर उसने भारत के सभी प्रदेशों में स्थापित स्वतंत्रता सेनानी और महापुरुषों की मूर्तियों की नाकों की नाप -जोख की लेकिन सभी नाकें जॉर्ज पंचम की नाक से बड़ी निकली। अंत में किसी जीवित भारतीय की नाक काट कर जॉर्ज पंचम की मूर्ति में लगा दी।

प्रश्न- **4-** निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> विषय पर दिए गए संकेत -बिन्दुओं के आधार पर लगभग **150** शब्दों में अनुच्छेद लेखन **-**

भूमिका- 1 अंक

विषय वस्तु -3 अंक

भाषा शैली -1 अंक

प्रश्न -5-दिए गए पत्रों में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में पत्र लेखन - 5

आरंभ तथा अंत की औपचारिकताएँ -1 अंक

विषय वस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रश्न -6- 6 क और ख प्रश्नों में दिए गए दो –दो विषयों में से एक -एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में - 2.5+2.5=5

विषय वस्तु - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

भाषा - 2.5 अंक

प्रश्न -7- 7 क और ख प्रश्नों में दिए गए विषयों में से एक -एक संदेश लगभग 40 शब्दों में लेखन कार्य - 2.5+2.5=5

रचनात्मक प्रस्तुति - 1 अंक

विषय वस्तु - 1 अंक

भाषा - 2.5 अंक

प्रादर्श प्रश्न पत्र -2

सत्रांत परीक्षा (द्‌वितीय) 2021-22

कक्षा - 10 वीं विषय - हिन्दी (कोड -002)

पूर्णांक - 40 **अवधि - 2 घंटा**

1 . इस **प्रश्न**पत्र में दो खंड हैं – खंड 'क' और 'ख' |

2 . सभी **प्रश्न** अनिवार्य हैं ,यथासंभव सभी प्रश्नों के **उत्तर** क्रमानुसार ही लिखिए |

3 . लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए |

4 . खंड 'क' में कुल 3 **प्रश्न** है |दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उपप्रश्नों के **उत्तर** दीजिए |

5 . खंड 'ख' में कुल 4 **प्रश्न** हैं , सभी प्रश्नों के साथ विकल्प भी दिए गए हैं |निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए चारों प्रश्नों के **उत्तर** दीजिए

प्रश्न 1 . क्षितिज - गद्‌य खंड के निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** 25 से 30 शब्दों में लिखिए - (2 x4 =8)

(क) नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीर काटा , नमक मिर्च बुरका ,अंततः सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया | उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा ?

(ख) "लखनवी अंदाज"- पाठ का आप और क्या शीर्षक दे सकते हैं ? कारण सहित **उत्तर** दीजिए |

(ग)आपके विचार से फादर कामिल बुल्के ने भारत आने का मन क्यों बनाया होगा ?

(घ) नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है -आशय स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न 2 . क्षितिज - काव्य खंड के निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** 25 से 30 शब्दों में लिखिए - (2x3=6)

(क) कवि निराला ने बादलों से गरजकर बरसने के लिए क्यों कहा है ?

(ख) होली के आस - पास प्रकृति में क्या - क्या परिवर्तन होता है ?

(ग) आपकी दृष्टि में कन्या के साथ दान की बात करना कहाँ तक उचित है ?

(घ)माँ को अपनी बेटी अंतिम पूंजी क्यों लग रही थी?

प्रश्न3.कृतिका के निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** 30 से 40 शब्दों में लिखिए(3x2=6)

(क) 'माता का अँचल' पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है वह आपके बचपन की दुनिया से किस प्रकार भिन्न है?

(ख) जार्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या -क्या यत्न किए ?

(ग) देश की सीमा पर तैनात फौजी किस तरह की कठिनाइयों से जूझते है?उनके प्रति हमारा क्या **उत्तर**दायित्वहोने चाहिए?

प्रश्न.4- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5x1=5)

(क).परिश्रम का महत्व -(∗ तात्पर्य...∗ सफलता प्राप्ति का साधन एवं भविष्य निर्माण का आधार....∗ परिश्रम न करने के दुष्परिणाम...∗- निष्कर्ष)

(ख) जल ही जीवन है - (∗अर्थ/भूमिका.... ∗दूषित करने वाले तत्व..... ∗रक्षा के उपाय... ∗निष्कर्ष)

(ग)शिक्षा का माध्यम- मातृभाषा-(∗मातृभाषा का अर्थ एवं उपयोगिता....∗मनोवैज्ञानिक आधार....∗शिक्षणकामाध्यम.....∗निष्कर्ष)

प्रश्न. 5- रायपुर दूरदर्शन के महानिदेशक को (लगभग 120 शब्दों में)एक पत्र लिखिए जिसमें राष्ट्रीय एकता एवं साम्प्रदायिक सद्भाव बढ़ाने वाले कार्यक्रमों के प्रसारण का अनुरोध किया गया हो। (5x1=5)

अथवा

अपनी बड़ीबहन को प्रशासनिक सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने की बधाई देते हुए (लगभग 120 शब्दों में) एक पत्र लिखिए |

प्रश्न.6- दिए गए विषयों में से किन्हीं दो विषयों पर (प्रत्येक लगभग 50 शब्दों का) आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए | (2.5x2=5)

(क) बिलासपुर में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला का एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए | (2.5)

अथवा

'मदर डेयरी' के दूध उत्पादों के लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए |

(ख) मतदाता जागरूकता अभियान के लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए | (2.5)

अथवा

आपके चचेरे भाई ने जिम खोला है |उसके लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए |

प्रश्न.7- दिए गए विषयों में से किन्हीं दो विषयों पर(प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में) | सन्देश लिखिए | (2.5x2=5)

(क) सांसद महोदय का विद्यालय पत्रिका के लिए सन्देश लिखिये।

अथवा

घर में आयोजित रामचरित मानस पाठ के विषय में संदेश लिखिये।

(ख)अपनेमामा जी को नौकरी में मिली पदोन्नति पर बधाई संदेश लिखिये ।

अथवा

अपने मित्र को होली पर्व के लिए एक संदेश लिखें।

प्रादर्श प्रश्न पत्र - (2)

उत्तर संकेत

सत्रांत परीक्षा (द्वितीय)2021 -22

कक्षा - 10 वीं **विषय - हिन्दी (कोड -002)** **पूर्णांक - 40**

अवधि - 2 घंटा

नोट : प्रस्तुत **उत्तर** संकेत मात्र हैं |

प्रश्न.1 .निम्लिखित प्रश्नों के **उत्तर** 25 से 30 शब्दों में दीजिए। 2x4=08

(क) नवाबी शान शौकत दिखाने की आदत ..अमीरी के दिखावे की ओर संकेत ..

(ख) उपयुक्त **उत्तर** पर अंक ...

(ग) भारतीय संस्कृति के बारे पढ़कर , सुनकर ..भारत को आध्यात्मिक देश मानकर ..नया सीखने की इच्छा से..सेवा करने के ईरादे से ...|

(घ) लेखक का अनुमान था कि एक विदेशी संन्यासी की मौत पर कौन आँसू बहाएगा किन्तु यह अनुमान सही नहीं निकला | उनकी मृत्यु पर आँसू बहाने वालों की बहुत भीड़ उमड़ रही थी ..जिनको गिनने का प्रयास व्यर्थ है ..

प्रश्न 2 . **उत्तर** 25 से 30 शब्द - 2x3=6

(क) आह्वान गीत है...इसके स्वर में ओज और क्रांति है ...बादलों की गर्जना से कवि लोगों में उत्साह भरकर , परिवर्तन के लिए उन्हें जागृत करना चाहता है |

(ख)वसंत का आगमन ...नये फूलों ,पत्तों का आना...कोयल का गान ..आनंद दायक मौसम ...

(ग) इस शब्द में अर्थ दोष है ..कन्या को दान की जाने वाली वस्तु समझना अनुचित...जबकि कन्या का विवाह करना समाज में एक आवश्यक रिवाज है ..

(घ) माँ परिवार में बेटी के साथ अपना सुख दुःख, अपनी मनोभावनाए जितनी सहजता गोपनीयता और विश्वसनीयता से साझा कर पाती है उतना किसी अन्य सदस्य के साथ नहीं| यही कारण था की माँ बेटी से बिछुड़ने के कष्ट को सहन नहीं कर पा रही थी| बेटी उसकी अंतिम पूंजी थी जो उससे छीनने जा रही थी |

प्रश्न3.**उत्तर** 30 से 40 शब्दों में (3×2=6)

(क) उपयुक्त **उत्तर** पर अंक ...

(ख) पत्थर के स्थान का पता लगाने फ़ाइल की तलाश ..पहाड़ों के यात्रा ..नाक नापने जगह जगह जाना ..जिन्दा नाक लगाने का प्रयास ...

(ग)देश की पर्वतीय सीमा पर नियुक्त हमारे सैनिकों को बड़ी विषम परिस्थितियों में जीवन बिताना पड़ता है। जाड़ों में जब तापमान शून्य से भी नीचे चला जाता है तब भी हाड़ कँपा देने वाली ठंड में ये प्रहरी पूरी संजगता और निष्ठों से देश की सीमा की सुरक्षा में लगे रहते हैं। देशवासी चैन की नींद सो सकें, इसके लिए ये रातों में जागते हैं। देश की अन्य सीमाओं पर भी हमारे फौजी अनेक असुविधाओं और कठिनाइयों को भोगते हुए अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। घुसपैठियों से जूझते हुए अपने प्राण भी न्योछावर कर देते हैं।

इन सीमा के प्रहरियों के प्रति हमारे भी कुछ दायित्व हैं। हमें इनको पूरा सम्मान तो देना ही चाहिए, इसके साथ-साथ इनके परिवारों की सुरक्षा और सुव्यवस्था पर भी पूरा ध्यान देना चाहिए ताकि ये निश्चिन्त होकर अपने कर्तव्य को अंजाम दे सके|

प्रश्न- **4-** निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> विषय पर दिए गए संकेत -बिन्दुओं के आधार पर लगभग **150** शब्दों में अनुच्छेद लेखन -

भूमिका- 1 अंक

विषय वस्तु -3 अंक

भाषा शैली -1 अंक

प्रश्न -5-दिए गए पत्रों में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में पत्र लेखन - 5

आरंभ तथा अंत की औपचारिकताएँ -1 अंक

विषय वस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रश्न -6- 6 क और ख प्रश्नों में दिए गए दो –दो विषयों में से एक -एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में - 2.5+2.5=5

विषय वस्तु - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

भाषा - 2.5 अंक

प्रश्न -7- 7 क और ख प्रश्नों में दिए गए विषयों में से एक -एक संदेश लगभग 40 शब्दों में लेखन कार्य - 2.5+2.5=5

रचनात्मक प्रस्तुति - 1 अंक

विषय वस्तु - 1 अंक

भाषा - 2.5 अंक

प्रादर्श प्रश्न पत्र -3

सत्रांत परीक्षा (द्वितीय) 2021-22

कक्षा - 10 वीं विषय - हिन्दी (कोड -002)

पूर्णांक - 40 अवधि - 2 घंटा

सामान्य निर्देश :-

1-इस **प्रश्न** पत्र में दो खंड हैं -क और ख

2- सभी **प्रश्न** अनिवार्य है , यथा संभव सभी प्रश्नों के **उत्तर** क्रमानुसार यही लिखिए |

3-लेखन कार्य में स्वच्छता का ध्यान रखें |

4-खंड क में कुल 3 **प्रश्न** हैं , दिए गए निर्देशों का पालन करते खाते हुए इनके उपप्रश्नों के **उत्तर** दें |

5- खंड ख में कुल 4 **प्रश्न** हैं सभी प्रश्नों के साथ विकल्प भी दिए गए हैं | निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए चारों प्रश्नों के **उत्तर** दीजिए |

<u>खंड क- (पाठ्य पुस्तक व पूरक पाठ्य पुस्तक)</u> 20 अंक

प्रश्न -1-निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए - (गद्य खंड) 2*4=8

क- लेखक को नवाब साहब के किन हाव भाव से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं ?

ख- नवाब साहब और खीरे के प्रसंग के माध्यम से लेखक ने क्या कहना चाहा ?

ग- फादर कामिल बुल्के की उपस्थिति देवदार की छाया जैसे क्यों लगती थी ?

घ- फादर बुल्के का हिन्दी के प्रति प्रेम प्रकट होता है _ स्पष्ट करें ?

प्रश्न- 2- निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई 3 प्रश्नों के उत्तर दें। 2×3=6

क- कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर गरजने के लिए कहता है। क्यों ?

ख - कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?

ग- माँ को अपनी बेटी अंतिम पूँजी क्यों लग रही थी ?

घ-कवि ने बादलों को किस आकांक्षा को पूरा करने वाला बताया है ?

प्रश्न- 3 -निम्नलिखितमें से कोई 2 प्रश्नों के उत्तर दें। **3×2=6**

क) -जॉर्ज पंचम की मूर्ति में नाक लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या -क्या प्रयत्न किए ?

ख) -माता का अंचल पाठ के आधार पर बताएँ कि बच्चे माता -पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं

ग)- गंतोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर क्यों कहा गया ?

<u>खंड 'ख' रचनात्मक लेखन खंड 20</u>

प्रश्न 4- निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखें । **5**

क - व्यायाम स्वस्थ जीवन का आधार

भूमिका,व्यायाम के लाभ,व्यायाम की आवश्यकता, निष्कर्ष

ख - 21वीं सदी का भारत

भूमिका,, वर्तमान भारत में आए परिवर्तन ,डिजिटल भारत,निष्कर्ष

ग - आदर्श विद्यार्थी के गुण

भूमिका , आदर्श विद्यार्थी की पहचान, आदर्श विद्यार्थी की विशेषता, निष्कर्ष

प्रश्न 5 -नीचे दिए गए पत्र में से कोई एक पत्र लिखें। **5**

-विद्यालय के आसपास खाद्य सामग्री बेचने वालों का जमघट लगा रहता है जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है इन्हें हटाने की प्रार्थना करते हुए लगभग 120 शब्दों में प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

अथवा

- आप छात्रावास में रह रहे हैं अपने लिए मासिक खर्च जल्दी भेजने का अनुरोध करते हुए लगभग 120 शब्दों में अपने पिताजी को पत्र लिखें।

प्रश्न 6- निर्देशानुसार विज्ञापन लिखें। **2.5×2.5=5**

क) -विद्यालय में वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करें।

अथवा

टूथपेस्ट बनाने वाली एक कंपनी के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करें ।

ख)- मोबाइल रिपेयर शॉप के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करें।

अथवा

आप अपनी पुरानी कार बेचना चाहते हैं इसके लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करें।

प्रश्न 7- निर्देशानुसार संदेश लिखें। **2.5×2.5 =5**

क)- आपके मित्र का प्रतियोगी परीक्षा द्वारा रेलवे में क्लर्क के पद पर चयन हुआ है ।शुभकामना देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखें।

अथवा

आपके विद्यालय में बाल मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्राचार्य की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखें ।

ख) -दुकानदार द्वारा दीपावली के अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की सेल लगाई जा रही है जिसके लिए अपने क्षेत्र वासियों को सूचित करने हेतु लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखें।

अथवा

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत कला उत्सव में नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम आने पर लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखें।

==

उत्तर संकेत 03

कक्षा –दसवीं

विषय -हिन्दी ए (कोड -002)

निर्धारित समय -2 घंटे **पूर्णांक -40**

<u>**खंड क (पाठ्य पुस्तक व पूरक पाठ्य पुस्तक)**</u> 20 अंक

प्रश्न -1-निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए -गद्य खंड 2x4=8

क - नवाब साहब का उनकी ओर न देखना , लेखक से बातचीत करने में उत्साह नहीं दिखाना | नवाब साहब एकांत में यात्रा करना चाहते थे लेखक को देखते ही उनकी यात्रा में विघ्न उत्पन्न हो गया |

ख - खीरा खाए बगैर पेट भरा जा सकता है ठीक विचार , घटना और पात्रों के अभाव में भी नई कहानी लिखी जा सकती है |

ग -फादर सभी के साथ पारिवारिक रिश्ता बनाकर रखते थे | वे सबके घरों में उत्सव व संस्कारों में एक पुरोहित की तरह रहते थे | सभी के प्रति प्रेम झलकता था |

घ -हिन्दी अंग्रेजी कोश तैयार किया | बाइबिल और ब्लू बर्ड नामक नाटक का हिन्दी में अनुवाद , परिमल नामक साहित्यिक संस्था से जुड़े रहे , हिन्दी विभागाध्यक्ष , हिन्दी को

राष्ट्र भाषा बनवाने के लिए प्रयासरत रहे |

प्रश्न -२-निम्न लिखित कोई -3 प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए - 2x3=6

क -कवि वातावरण में जोश , पौरुष और क्रांति चाहता है |

ख - फागुन मास में प्रकृति सुहावनी हो उठी है | चारों ओर मादक हवाएँ चल रहीं हैं | पक्षी आकाश में उड़ रहें हैं | वृक्षों पर पत्ते लड़ गए हैं | मंद सुगंध वाले फूल खिल उठे हैं |

ग -माँ अपने सुख -दुख को विशेष कर नारी -जीवन के दुखों को अपनी माँ ,बहन ,बेटी के साथ बाँट सकती है | वह उनके साथ बात कर सकती थी सलाह ले सकती थी|

घ - कवि ने बादलों को गर्मी से पीड़ित -प्यासे जन की आकांक्षा को पूरी करने वाला तथा नई कल्पना और नए निर्माण के लिए क्रान्ति को संभव करने वाला बताया है | इस प्रकार बादल प्राणियों के जीवन मेन नई आशा और उत्साह का संचार करते हैं |

प्रश्न -3 -निम्नलिखितमें से कोई 2 प्रश्नों के उत्तर दें।(पूरक पुस्तिका) 3×2=6

क-उसके समान पत्थर खोजना ,सरकारी फाइल ढूँढना , भारत के सभी पहाड़ों और पत्थर कि खानों का दौरा करना भारत के महापुरुषों की मूर्तियों का निरीक्षण , अंत में किसी जीवित व्यक्ति की नाक लगाना |

ख -उनके साथ रहकर ,उनकी सिखाई हुई बातों में रुचि लेकर ,उनके साथ खेलकर ,उन्हें चूमकर ,उनकी गोद में या कंधे पर बैठकर प्रेम प्रकट करते हैं |

ग -मेहनत कश का अर्थ है कड़ी मेहनत वाले |, बादशाह का अर्थ है - माँ की मर्जी के मालिक यहाँ की स्थितियाँ बड़ी कठिन हैं | अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है |

खंड 'ख' रचनात्मक लेखन खंड 20

प्रश्न- 4- **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर** दिए गए संकेत -बिन्दुओं के आधार पर लगभग 150 **शब्दों में अनुच्छेद लेखन** -

भूमिका- 1 अंक

विषय वस्तु -3 अंक

भाषा शैली -1 अंक

प्रश्न -5-दिए गए पत्रों में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में पत्र लेखन - 5

आरंभ तथा अंत की औपचारिकताएँ -1 अंक

विषय वस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रश्न -6- 6 क और ख प्रश्नों में दिए गए दो -दो विषयों में से एक -एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में - 2.5+2.5=5

विषय वस्तु - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

भाषा - 2.5 अंक

प्रश्न -7- 7 क और ख प्रश्नों में दिए गए विषयों में से एक -एक संदेश लगभग 40 शब्दों में लेखन कार्य - 2.5+2.5=5

रचनात्मक प्रस्तुति - 1 अंक

विषय वस्तु - 1 अंक

भाषा - 2.5 अंक

प्रादर्श प्रश्न पत्र - 4

सत्रांत परीक्षा (द्वितीय) 2021-22

कक्षा - 10 वीं विषय - हिन्दी (कोड -002)

पूर्णांक - 40 **अवधि - 2 घंटा**

सामान्य निर्देश :

1 . इस **प्रश्न**पत्र में दो खंड हैं – खंड 'क' और 'ख' |

2 . सभी **प्रश्न** अनिवार्य हैं ,यथासंभव सभी प्रश्नों के **उत्तर** क्रमानुसार ही लिखिए |

3 . लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए |

4 . खंड 'क' में कुल 3 **प्रश्न** है |दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उपप्रश्नों के **उत्तर** दीजिए |

5 . खंड 'ख' में कुल 4 **प्रश्न** हैं , सभी प्रश्नों के साथ विकल्प भी दिए गए हैं |निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए चारों प्रश्नों के **उत्तर** दीजिए |

खंड 'क' (पाठ्य पुस्तक व पूरक पाठय पुस्तक)

प्रश्न 1 . गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25 -30 शब्दों में लिखिए – (2 x 4 = 8अंक)

क . 'लखनवी अंदाज ' पथ में नवाब साहब द्वारा खीरा खाने की तैयारी करने का एक चित्र प्रस्तुत किया गया है | इस पूरी प्रक्रिया को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए |

ख . फादर कामिल बुल्के भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है | किस आधार पर ऐसा कहा जा सकता है ?

ग . क्या सनक का कोई सकारात्मक रूप हो सकता है? यदि हाँ तो ऐसी सनकों का उल्लेख कीजिए |

घ . लेखक ने फादर कामिल बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है ?

प्रश्न 2 . पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25 – 30 शब्दों में लिखिए – (2 x 3 = 6अंक)

क . 'उत्साह' कविता के आधार पर लिखिए कि बादलों से हमें क्या प्रेरणा लेनी चाहिए ?

ख . 'आग रोटियां सेंकने के लिए है जलने के लिए नहीं |' उक्त पंक्तियों में क्या संदेश छिपा है ? 'कन्यादान' कविता के आधार पर बताइए |

ग .अट नहीं रही है' कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है ?

घ . 'कन्यादान' कविता में किसे दुःख बांचना नहीं आता और क्यों ?

प्रश्न 3 . कृतिका भाग 2 के आधार पर किन्ही दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर लिखिए – (3 x 2 = 6अंक)

क . आपके विचार में भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है ?

ख . रानी एलिजाबेथ द्वितीय के आगमन की कौन –कौन सी ख़बरें अखबारों में छपी ?

ग . गंतोक को ' मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है ?

खंड 'ख' (रचनात्मक लेखन खंड)

प्रश्न 4 . निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत –बिन्दुओं के आधार पर 150 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : (5अंक)

(क) करत – करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

संकेत बिंदु –

- निरंतर अभ्यास के लाभ
- महापुरुषों से सीख
- निष्कर्ष

(ख) वसंत ऋतु

संकेत बिंदु -

- भूमिका
- आगमन
- प्राकृतिक छटा का आनंद
- उपसंहार

(ग) अंतरास्ट्रीय योग दिवस

संकेत बिंदु –

- योग
- महत्ता का बोध
- उत्पत्ति
- योग के लाभ

प्रश्न 5 . डेंगू और मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए चिकित्सालयों में चिकित्सा सुविधाओं की कमी की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए चिकित्सा अधिकारी को 120 शब्दों में पत्र लिखिए |(5 अंक)

अथवा

परीक्षा में कम अंक आने पर दुखी मित्र को सांत्वना देते हुए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए |

प्रश्न 6 .(क) अपनी पुरानी पुस्तकें गरीब विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरण करने हेतु एक 50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए | (2.5अंक)

अथवा

'रफ़्तार' साइकिल कंपनी के लिए एक 50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए |

(ख) आपके चचेरे भाई ने 'जिम' खोला है | उसके लिए लगभग 50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए | (2.5अंक)

अथवा

प्रसिद्ध सौंदर्य प्रसाधन बनाने वाली कंपनी के लिए 50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए |

प्रश्न 7 . (क) जन्म दिवस के अवसर पर अपने मित्र को लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए | (2.5अंक)

अथवा

अपने मित्र को कक्षा दसवीं बोर्ड की परीक्षा में प्रथम आने पर लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए |

(ख) अपने मामा जी को शादी की सालगिरह पर शुभकामनाएँ देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए |(2.5अंक)

अथवा

'हनुमान' जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए |

उत्तर संकेत 04

कक्षा –दसवीं

उत्तर संकेत –

खंड –क (वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित संकेत)

प्रश्न 1 . 2 x 4 = 8अंक

क . नवाब साहब ने खीरों को खिड़की से बाहर कर धोया | फिर उन्हें तौलिए से पोंछा | जेब से चाकू निकाल कर खीरे के सिर को काटा और गोदकर झाग निकाला ताकि उनका कड़वापन चला जाए | बहुत सावधानी से छीलकर फांके तैयार की फिर उन पर जीरा मिला नमक और लाल मिर्च बुरक दीं | ऐसा करते समय उनके हाव्-भाव से स्पष्ट था कि खीरे के स्वाद की कल्पना से ही उनके मुख में पानी आ रहा था | 2अंक

ख . फादर कामिल बुल्के को भारतीय संस्कृति से बहुत प्यार था | अपने जीवन में उन्होंने भारतीय जीवन मूल्यों और आदर्शों को मत्वपूर्ण स्थान दिया था | उन्होंने भारतीय संस्कृति का गहन अध्ययन किया था | उनका शोध ग्रन्थ – 'राम कथा –उत्पत्ति और विकास' उनके भारतीय संस्कृति के प्रति लगाव को दर्शाता है | वे हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए अकाटय तर्क देते हैं | इस प्रकार कहा जा सकता है की फादर कामिल बुल्के भारतीय संस्कृति के अभिन्नअंग थे | 2अंक

ग . सनक को प्रायः एक नकारात्मक व्यवहार के रूप में देखा जाता है | सनक में कार्य करने वाले व्यक्ति को किसी काम की धुन सी सवार रहती है | उसका

विवेक और तर्क क्षीण हो जाता है | लेकिन सनक अनेक सकारत्मक पक्ष भी देखने में आते हैं | सुरविरों के कीर्तिमान , पर्वत रोहियों की मृत्यु संकट को चुनौती, अन्वेषकों के रोमांचकारी अभियान , वैज्ञानिकों के चमत्कारी अनुसंधान ,स्वतंत्रता –आन्दोलन के सेनानियों का आत्म बलिदान ये सभी सनक के ही सकारात्मक परिणाम हैं |यदि सनक लक्ष्य लोक हितकारी हो और व्यक्ति का व्यवहार विवेक से निर्देशित हो तो सनक का सकारात्मक परिणाम सामने आता है | 2अंक

घ . करुणा को मानवीय गुणों में अत्यन्त सराहा गया है | उनका जीवन अविस्मरनीय है | फादर बुल्के ने अपना जीवन सदैव दूसरों की भलाई में लगाया | उनके मन में दूसरों के लिए प्रेम और ममत्व तो सदैव छलकता रहता था | वह हर किसी में केवल अपना आत्मीयजन ढूढ़ते थे | सभी उनके लिए प्रिये जन थे वे सबके साथ एक पारिवारिक रिश्ते में बंध जाते थे | लोगों के सुख –दुःख में शामिल हो कर उनके प्रति संवेदन शील रहते थे और उन्हें सहानुभूति भी देते थे | उनके स्नेह की तरलता की चमक उनके चेहरे पर साफ दिखाई देती थी | 2अंक

प्रश्न 2 . 2 x 3 = 6अंक

क . बादल पृथ्वी के ताप को दूर करते हैं इनसे मानवता के कल्याण की प्रेरणा मिलती है | बादल की गरज क्रांति का प्रतिक है | बादल क्रांति की प्रेरणा देते हैं | 2 अंक

ख . आग रोटियां सेंकने के लिए है जलने के लिए नहीं एन पंक्तियों के द्वारा माँ ने बेटी को सचेत करना इसीलिए जरुरी समझा क्योंकि लड़की अभी भोली भाली है सायानी नहीं है , माँ अनुभवी है सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूक है

जिन परिस्थितियों का सामना उसकी माँ ने किया उसका सामना उसकी बेटी को ना करना पड़े , इ को दुनिया दारी की बातें समझाना जरुरी था यही जानकार माँ ने बेटी को सचेत किया | 2अंक

ग . प्रस्तुत कविता प्रकृति की व्यापकता का वर्णन अनेक रूपों में किया है –

*प्रकृति का सौन्दर्य सर्वत्र झलकता हुआ दिखाई देता है

*कहीं साँस लेता हुआ , तो कहीं आकाश में उड़ता हुआ दिखाई देता है|

*प्रकृति की व्यापकता के दर्शन पेड़ ,पत्तों ,फूलों आदि के रूप में हो रहे हैं सर्वत्र उल्लास और उत्साह का वातावरण है | 2अंक

घ. 'कन्यादान' कविता में बेटी को दुःख बांचना नहीं आता क्योकि वह भोली है , सरल स्वभाव की है उसे दुनिया दारी नहीं आती और सबसे बड़ी बात माँ के साथ उसने दुःख का अनुभव नहीं किया है | 2 अंक

प्रश्न 3 3 x 2 = 6 अंक

क . भोला नाथ अपने साथियों को देख कर सिसकना भूल जाता है क्योंकि उसे अपनी साथियों कि संगती अच्छी लगती है | बच्चे अपनी संगती में सब दुःख भूल जाते हैं | 3अंक

ख . रानी के भारत आने के समय लन्दन के अख़बार उनके सही दौरे की तैयारियों की छोटी -सी -छोटी छाप रहे थे | रानी के सूट का रंग , उसकी कीमत ,रानी की जन्म पत्री ,उनके पति फिलिप्प्स के कारनामे ,यहाँ तक की रानी के

नौकरों , खानसामों ,वावरचियों और अंगरक्षकों की जीवनियाँ तथा रानी के महल में पलने वाले कुत्तों की तस्वीरें भारत के अख़बारों में छ्प रही थी | 3 अंक

ग . सिक्किम एक पहाड़ी प्रदेश है | वहां के निवासियों को जीवन -यापन के लिए कठोर परिश्रम करना पड़ता है फिर भी अपनी परिस्थितियों उन्हें कोई शिकायत नहीं होती | सारे असुविधाओं के बीच भी वे अपना जीवन एक साही अंदाज में बिताते हैं | उनके चेहरों पर कहीं से भी दीनता या हीनता नहीं झलकती | 3अंक

(खंड –ख रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्नों के मूल्यांकन बिंदु)

प्रश्न 4 –दिए गए तीन अनुच्छेदों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत – बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लेखन – 5 x 1 = 5अंक

भूमिका - 1अंक

विषयवस्तु – 3अंक

भाषा - 1अंक

प्रश्न 5 –दिए गए दो पत्रों में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में पत्र लेखन- 5 x 1 = 5 अंक

आरंभ तथा अंत की औपचारिकताएं - 1अंक

विषयवस्तु - 3अंक

भाषा - 1अंक

प्रश्न 6 .-दिए गए दो –दो विषयों में से एक – एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में (2.5 अंक के विज्ञापन की जाँच के लिए अंक विभाजन)- 2.5 x 2 = 5 अंक

विषयवस्तु - 1अंक

प्रस्तुति - 1अंक

भाषा - 1 / 2अंक

प्रश्न 7 – दिए गए दो – दो विषयों में से एक –एक संदेश लगभग 40 शब्दों में (2.5 अंक के संदेश लेखन की जाँच के लिए अंक विभाजन) 2.5 x 2 = 5अंक

रचनात्मक प्रस्तुति - 1 अंक

विषयवस्तु - 1अंक

भाषा - 1 / 2अं

प्रादर्श प्रश्न पत्र - 5

सत्रांत परीक्षा (द्वितीय) 2021-22

कक्षा - 10 वीं विषय - हिन्दी (कोड -002)

पूर्णांक - 40 अवधि - 2 घंटा

समय -2 घंटे अधिकतम अंक

– **40**

सामान्य निर्देश :

1 . इस **प्रश्न**पत्र में दो खंड हैं – खंड 'क' और 'ख' |

2 . सभी **प्रश्न** अनिवार्य हैं ,यथासंभव सभी प्रश्नों के **उत्तर** क्रमानुसार ही लिखिए |

3 . लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए |

4 . खंड 'क' में कुल 3 **प्रश्न** है |दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उपप्रश्नों के **उत्तर** दीजिए |

5 . खंड 'ख' में कुल 4 **प्रश्न** हैं , सभी प्रश्नों के साथ विकल्प भी दिए गए हैं |निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए चारों प्रश्नों के **उत्तर** दीजिए |

खंड 'क' (पाठ्य पुस्तक व पूरक पाठय पुस्तक)

प्रश्न 1 . गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25 -30 शब्दों में लिखिए – **(2 x 4 = 8अंक)**

क . खीरे को लेकर नवाब साहब के संकोच का क्या कारण था ?

ख . लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि फादर कामिल बुल्के मन से संन्यासी नहीं थे ?

ग . रेल के डिब्बे में चढ़ते ही लेखक के अनुमान के प्रतिकूल क्या हो गया ? 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर बताइए |

घ . फादर कामिल बुल्के के हिंदी –प्रेम को दर्शाने के लिए लेखक ने क्या –क्या उदहारण दिया है ?

प्रश्न 2 . पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25 – 30 शब्दों में लिखिए – (2 x 3 = 6अंक)

क . 'उत्साह' कविता में कवि ने बादल के रूप का वर्णन किन शब्दों में किया है ?

ख . 'कन्यादान' कविता के भाव – सौंदर्य पर प्रकाश डालिए |

ग .फागुन मास के प्राकृतिक सौंदर्य का व्यक्ति पर क्या प्रभाव होता है ?

घ . 'कन्यादान' कविता में माँ बेटी को क्या सीख देना चाहती है ?

प्रश्न 3 . कृतिका भाग 2 के आधार पर किन्ही दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर लिखिए – (3 x 2 = 6अंक)

क . भोलानाथ के पिता उसके साथ किस प्रकार खेलते थे ?

ख . जार्ज पंचम की नाक को लेकर आंदोलन क्यों और किनके द्‌वारा हुए थे ?इनका परिणाम क्या हुआ ?

ग . झिलमिलाती सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था ?

खंड 'ख' (रचनात्मक लेखन खंड)

प्रश्न 4 . निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत –बिन्दुओं के आधार पर 150 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : (5अंक)

(घ) **मित्रता अनमोल रत्न -**

संकेत बिंदु –

- मित्रता का महत्व
- मित्र के लक्षण
- वर्तमान काल में स्थिति

(ङ) **वसंत ऋतु**

संकेत बिंदु -

- भूमिका
- आगमन
- प्राकृतिक छटा का आनंद
- उपसंहार

(च) **मंहगाई की मार -**

संकेत बिंदु –

- भूमिका
- कारण
- सरकार के प्रयास
- उपसंहार

प्रश्न 5 . प्रधानाचार्य को विद्यालय में अधिकाधिक खेल का सामान मंगवाने के लिए अनुरोध करते हुए 120 शब्दों में आवेदन पत्र लिखिए |(**5 अंक**)

अथवा

अपने बड़े भाई को भारतीय वायुसेना में चयन होने पर बधाई देते हुए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए |

प्रश्न 6 .(क) अपनी पुरानी पुस्तकें गरीब विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरण करने हेतु एक 50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए | (**2.5अंक**)

अथवा

'एक्सो' फ्रिज कंपनी के प्रचार हेतु 50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए |

(ख) आपके चाचा जी ने 'मिष्ठान भंडार ' खोला है | उसके प्रचार हेतु लगभग 50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए | (**2.5अंक**)

अथवा

प्रसिद्ध सौंदर्य प्रसाधन बनाने वाली कंपनी के लिए 50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए |

प्रश्न 7 . (क) जन्म दिवस के अवसर पर अपने मित्र को लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए | **(2.5अंक**)

अथवा

देश के प्रधानमंत्री की ओर से देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए |

(ख) अपने मामा जी को शादी की सालगिरह पर शुभकामनाएँ देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए |(**2.5अंक**)

अथवा

आपका छोटा भाई छात्रावास में रहता है उसे परीक्षा में अच्छे अंकों से पास होने के लिए शुभकामनाएँ देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए |

उत्तर संकेत 05

कक्षा –दसवीं

उत्तर संकेत –

खंड –क (वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित संकेत)

प्रश्न 1 . गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25 -30 शब्दों में लिखिए 2 x 4 = 8अंक

क . नवाब साहब खीरे जैसे तुच्छ पदार्थ का सेवन एकांत में करना चाहता था |परन्तु लेखक के आने पर वह एकांत खत्म हो और उसे खीरे को खाने में संकोच होने लगा | **2अंक**

ख .*फादर बुल्के केवल संकल्प के संन्यासी थे ,मन से नहीं थे |

*उन्होंने परंपरागत संन्यासी प्रवृति से अलग नयी परंपरा को स्थापित किया |

*रिश्ते बनाते थे व उसे तोड़ते नहीं थे |

*प्रियजनों सुख –दुःख में भागीदार|

*पुरोहित का कर्त्तव्य प्रेम और करुणा के साथ निभानेवाले थे | 2अंक

ग . लेखक ने सेकेंड क्लास का टिकट इसलिए ख़रीदा था क्योंकि वह एकांत में बैठकर कहानी के विषय में सोचना चाहता था परन्तु डिब्बे में पहले ही एक नवाबी सज्जन बैठे थे |लेखक के अनुमान के प्रतिकूल उसे डिब्बे में एक सज्जन मिल गए थे | **2अंक**

घ .*फादर बुल्के ने बेलजियम से भारत आकर हिंदी में एम्.ए .किया तथा इसी भाषा के अध्यापक बने |

*अपना शोध प्रबंध हिंदी में ही तैयार किया |

*फादर बुल्के हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने पर जोर दिया |

*वे साहित्यिक गोष्ठियों में खुलकर भाग पठित रचनाओं की समालोचना भी करते थे | **2अंक**

प्रश्न 2. पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25– 30 शब्दों में लिखिए – (2 x 3 = 6अंक)

क . कवि ने बादल के स्वरुप की सुन्दर –काले घुंघराले केशों के समान बताया है |कवि ने बादलों की विविध आकृतियों और विस्तार को बालकों की कल्पनाओं जैसा सुन्दर और असीम कहा है |कवि के अनुसार बादल तप्त धरा को शीतल करने तथा नया जीवन देने वाले हैं |उनमें बज्रपात की क्रांतिकारिणी शक्ति है | **2 अंक**

ख . 'कन्यादान' कविता का विषय परंपरागत आदर्शों की बंधी –बंधाई लीक से हटकर है | इस कविता में कवि ने स्त्रियों के लिए समाज द्वारा स्वीकृत बंधनों का खंडन किया है |स्त्री की स्वभावगत 'कोमलता' उसकी सुंदरता नहीं बल्कि 'कमजोरी' है जिसका पुरुष- समाज निरंतर फ़ायदा उठाता है |कवि ने समाज में घटित होने वाले सामाजिक शोषण और विडंबनाओ को कविता में स्थान दिया है |विदाई के समय माँ अपनी बेटी को सीख देते हुए कहती है कि आदर्शों को अपने

पांवों की बेड़ियाँ मत बनने देना |कवि कोरी भावुकता का प्रतिकार करता है और कठोर यथार्थ को जीवन –सत्य के रूप में प्रतिष्ठित करता है | **2अंक**

ग . फागुन मास के प्राकृतिक सौन्दर्य का व्यक्ति पर इतना प्रभाव पड़ता है कि वह उससे आंख हटाने का प्रयास करने पर भी आँखों में समाया रहता है |देखने वालों की आँखें मन को इसके सौंदर्य से इस प्रकार बांध देती हैं कि वह उससे विमुख नहीं हो पाता **|** **2अंक**

घ. माँ चाहती है कि बेटी भोली और सरल ही न बनी रहे |विवाह के मधुर सपनों में ही न खोई रहे ,बल्कि जीवन के कठोर यथार्थ से भी परिचित हो |वह दुर्बलताओं से मुक्त होकर आगामी जीवन की हर समस्या का सामना करने को तैयार रहे |वह लड़की होने के अहसास को स्वीकार करे किन्तु लड़की की परंपरागत दुर्बल छवि से मुक्त होकर जिए | **2 अंक**

प्रश्न 3. कृतिका भाग 2 के आधार पर किन्ही दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर लिखिए 3 x 2 = 6 अंक

क . भोलानाथ के पिता भोलानाथ से कुश्ती लड़ते थे |वह अपना शारीर ढीला छोड़ देते और भोलानाथ उन्हें पछाड़ कर उनकी छाती पर चढ़ जाता ,वह दाढ़ी –मूंछें नोंचने लगता ,तब पिता उसके हाथों को चूमते |वह उसके बाएं गाल पर खट्टा चुम्मा और दाएँ पर मीठा चुम्मा लेते |वह भोलानाथ के गालों पर अपनी दाढ़ी –मूंछ गड़ा देते | **3अंक**

ख . जार्ज पंचम की मूर्ति की नाक बनी रहे या हटा दी जाए ,इस **प्रश्न** को लेकर राजनीतिक दलों ने आंदोलन किए थे |एक पक्ष नाक को तोड़ देना चाहते था तो दूसरा उसे बनाए रखने पर तुला हुआ था |एन आंदोलनों से कोई सर्वसम्मत हल नहीं निकल सका |जार्ज पंचम की नाक पूर्ववत बनी रही | **3 अंक**

ग . लेखिका ने रात में जब सिक्किम के गंतोक नगर को देखा तो वह ठगी –सी रह गई |सारा शहर सितारों भरी रात में रौशनी से जगमगा रहा था |वह अद्भुत दृश्य लेखिका की सुध –बुध भुला रहा था |उसे लग रहा था कि उसकी सारी संवेदनाएं ठहर –सी गई थीं |उसे अपने भीतर और बाहर एक शुन्यता का अनुभव हो रहा था | **3अंक**

(खंड –ख रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्नों के मूल्यांकन बिंदु)

प्रश्न 4 –दिए गए तीन अनुच्छेदों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत –बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लेखन – 5 x 1 = 5अंक

भूमिका - 1अंक

विषयवस्तु – 3अंक

भाषा - 1अंक

प्रश्न 5 –दिए गए दो पत्रों में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में पत्र लेखन- 5 x 1 = 5 अंक

आरंभ तथा अंत की औपचारिकताएं - 1अंक

विषयवस्तु - 3अंक

भाषा - 1अंक

प्रश्न 6 .-दिए गए दो –दो विषयों में से एक – एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में (2.5 अंक के विज्ञापन की जाँच के लिए अंक विभाजन)- 2.5 x 2 = 5 अंक

विषयवस्तु - 1अंक

प्रस्तुति - 1अंक

भाषा - 1 / 2अंक

प्रश्न 7 – दिए गए दो – दो विषयों में से एक –एक संदेश लगभग 40 शब्दों में (2.5 अंक के संदेश लेखन की जाँच के लिए अंक विभाजन) 2.5 x 2 = 5अंक

रचनात्मक प्रस्तुति - 1 अंक

विषयवस्तु - 1अंक

भाषा - 1 / 2अंक